राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–25 | अंक–02 | अगस्त, 2024 | कुल पृष्ठ–32 | मूल्य–₹ 15

प्रदेश के माननीय शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर के झुंझुनूं आगमन पर
राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड की ओर से
स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत–अभिनन्दन

चित्र विथिका

जोधपुर आगमन पर राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य का स्कार्फ पहनाकर अभिनन्दन एवं स्थानीय रोवर–रेंजर व कार्यकर्ता स्वागत करते हुए

माननीय सांसद श्री अमरा राम से शिष्टाचार भेंट के दौरान स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए सीकर के स्थानीय संघ दांता के पदाधिकारीगण

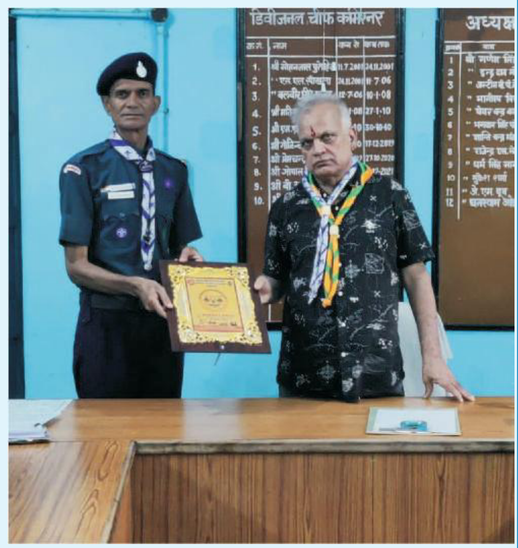

श्री निरंजन आर्य को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत करते हुए श्री बाबूसिंह राजपुरोहित

राज्य प्रशिक्षण केन्द्र जगतपुरा, जयपुर पर अंगदान एवं प्रत्यारोपण जागरूकता कार्यक्रम के पश्चात
स्काउट आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों एवं मोहन फाउण्डेशन के पदाधिकारियों के साथ राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 25 अंक : 02
अगस्त, 2024

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

आशीष मोदी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर्स–स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
टीकम चंद बोहरा, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति–समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित वर्मा
राज. लेखा सेवा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
संपादकीय	4
राज्य मुख्यायुक्त की टोंक विज़िट	5
स्काउट्स गाइड्स द्वारा नवलगढ़ में शिक्षा मंत्री का स्वागत	6
स्काउट सदस्यों की सांसद से शिष्टाचार भेंट	7
राजस्थान कब–बुलबुल ने जीती राष्ट्रीय चैम्पियनशिप	7
International Scout Youth Forum 2024	8
पर्यावरण संरक्षण : पर्यावरण और हमारा दायित्व	10
गतिविधि दर्पण	12
जीवन को संवारती है पुस्तकें	21
ग्रीष्मावकाश का सदुपयोग – अभिरूचि शिविर	22
हमारे महापुरुष : सुभद्रा कुमारी चौहान	26
हमारा स्वास्थ्य : पहला सुख निरोगी काया	27
पर्यटन स्थल : 200 सौ वर्षों से वीरान : कुलधारा	28
दक्षता पदक	29
गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/– संस्थागत शुल्क:150/–	1200/–

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

समय के साथ नवीनता

वैसे तो विश्व के मानचित्र पर नीले आकाश की भांति सर्वव्यापी स्काउट गाइड आन्दोलन गत् एक सौ वर्ष से अधिक समय से अपनी गौरवशाली परंपराओं के लिए जाना जाता है व इसके वर्दीधारी सदस्य समाज में सम्मान की दृष्टि से देखे जाते हैं। इस सेवाभावी संगठन की जड़ें गहरी है। भारत में इस विश्व व्यापी संगठन का बीजारोपण वर्ष 1909 ई. में हुआ। आज इसका परचम सम्पूर्ण राष्ट्र में फहरा रहा है। राजस्थान में भी इसके सदस्यों की संख्या तेरह लाख से अधिक है, जबकि सन् 1950 में भारत स्काउट गाइड एसोसियेशन के राष्ट्रीय स्तर पर गठन के समय राजस्थान में स्काउट गाइड की संख्या मात्र 31 हजार 7 सौ 44 ही थी। संगठन के सदस्यों की संख्या में प्रतिवर्ष होती बढ़ोतरी इसकी गुणवत्ता की द्योतक है।

राजस्थान प्रदेश की स्काउटिंग की कुछ खास परम्पराएं हमारे अग्रज, जिन्होंने नींव के प्रस्तर की भूमिका अदा की, द्वारा डाली गई। इन परम्पराओं में रूढ़िवादिता न आये और नवीनता का समावेश हो सके, इसके लिय समय की मांग के अनुसार समय–समय पर संशोधन, परिवर्तन व परिवर्द्धन करना जरूरी होता है।

मैं सभी संस्था प्रधानों से अपील करता हूँ कि अपने विद्यालयों में स्काउटिंग गाइडिंग को सक्रिय एवं गतिशील करने में अपना अहम् योगदान देवें। प्रदेश में ऐसे भी अनेक विद्यालय हैं, जहाँ अब तक स्काउट गाइड ग्रुप/कम्पनी का गठन नहीं हुआ है, इन विद्यालयों के बालक बालिकाएं इस संगठन से जुड़ने से अब तक वंचित हैं। अतः ऐसे विद्यालयों के संस्था प्रधानों को हमारे पंजीकृत विद्यालय के शिक्षक इस संगठन का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करें और आश्यकतानुसार हर संभव सहयोग प्रदान करें।

शिक्षक सम्पूर्ण राष्ट्र का निर्माता है। अतः शिक्षकों से विनति है कि स्काउट गाइड को गतिविधियों में संभागित्व करावें। विशेष अनुरोध है कि मानसूत्र ने पूरे प्रदेश को रिमझिम बौछारों से भिगो रखा है, अतः प्रत्येक स्काउट गाइड से इस माह खूब पौधे रोपित करावें।

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

स्थानीय संघों एवं जिलों/मण्डलों के परिषद् के वार्षिक अधिवेशन गत माह में सम्पन्न किये गये हैं। इस लिहाज से ये महिना हमारे स्काउट गाइड प्रदेश संगठन के लिए परीक्षा का समय कहा जा सकता है। परिषदों के वार्षिक अधिवेशन भी एक प्रकार की परीक्षा ही तो है। वर्ष पर्यन्त आपको क्या करना था, आपने क्या किया और इस सब में किस प्रकार की कमी रही अथवा किस–किस में आपने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया....इन सब बातों का जवाब इसी अधिवेशन में देना होता है। वार्षिक अधिवेशन ही एक ऐसा मंच है जहाँ आपको अपना रिपोर्ट कार्ड स्वयं बताना होता है।

प्रत्येक संगठन जिसमें स्वच्छ एवं स्वस्थ व्यवस्था को अपनाया जाता है, में वार्षिक अधिवेशनों का आयोजन आवश्यक रूप से किया जाता है। हमारा संगठन भी पूर्णतः ऐसी ही व्यवस्था पर आधारित है। यहाँ प्रत्येक स्तर पर कार्यकारिणी एवं कॉन्सिल गठित है और इनके वार्षिक अधिवेशन एक ऐसा महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं, जिसमें सत्र के दौरान सम्पन्न विभिन्न गतिविधियों, कार्यक्रमों एवं अर्जित उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए भावी योजनाओं, कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के आयोजन हेतु सर्वोच्च सदन में विचार–विमर्श तथा कार्य योजनाओं पर मंथन किया जाता है। नये सुझाव और नयी विचारधारा का संगठन में आगमन होता है।

इसी व्यवस्था के कारण हमारा प्रदेश संगठन प्रत्येक वर्ष नवीन एवं अभिनव योजनाओं और गतिविधियों के आयोजन के माध्यम से समाज में अपना स्थान एवं मान्यता बनाने में कामयाबी के कदम बढ़ाता रहा है।

आगामी कार्यक्रमों और लक्ष्यों की पूर्ति के लिए मेरी ओर से सभी को शुभकामनाएं....

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

राज्य मुख्यायुक्त की टोंक विज़िट

स्काउट गाइड गतिविधि बालक बालिकाओं में सेवा भावना का विकास करती है।

– निरंजन आर्य

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, टोंक कार्यकारिणी सभा में स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने कहा कि स्काउट गाइड गतिविधियां बालक बालिकाओं में सेवा भावना का विकास करती है। उन्होंने सभी संस्थाओं में टमटोला, कब बुलबुल, स्काउट गाइड, रोवर रेंजर गतिविधियों के संचालन के लिए स्काउटर गाइडर प्रशिक्षण दिए जाने पर जोर दिया।

श्री आर्य ने टोंक जिले की ग्रुप, स्थानीय संघ एवं जिला स्तरीय गतिविधियों का सिंहावलोकन करते हुए गोल्डन ऐरो, राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति अवार्ड कब बुलबुल, स्काउट गाइड रोवर रेजर की प्रशंसा की। उन्होंने नेशनल ग्रीन कोर इको क्लब गतिविधियों के अंतर्गत पौधारोपण, जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, कौशल विकास इत्यादि गतिविधियों के सतत आयोजन की बात कही।

प्रारंभ में जिला मुख्य आयुक्त एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी पन्नालाल बैरवा ने आयोजित गतिविधियों में स्काउट गाइड के सक्रियता पर बधाई दी। साथ ही मतदान के दौरान स्काउट गाइड वालंटियर के रूप में किए गए कार्य के प्रशंसा की। स्थानीय संघ स्तर पर द्वितीय सोपान, तृतीय सोपान, टोली नायक स्काउट गाइड शिविरों के आयोजन पर जोर दिया। उन्होंने नवम्बर में आयोज्य जिला स्तरीय स्काउट गाइड जम्बूरी में श्रेष्ठ प्रदर्शन की आशा की। जिला कमिश्नर एवं जिला शिक्षा अधिकारी मीना लसारिया ने सभी स्थानीय संघ से प्रति सप्ताह ग्रूप स्तरीय गतिविधियों की चर्चा की।

सी.ओ. स्काउट गिरिराज प्रमाद गर्ग, सी.ओ. गाइड आचू मीणा ने वार्षिक प्रतिवेदन, आय व्यय विवरण, राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय शिविर तथा स्काउट गाइड के विभिन्न क्रियाकलापों की विस्तृत जानकारी दी। प्रभारी कमिश्नर एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सीताराम गुप्ता, बाबू लाल गुप्ता, स्थानीय संघ सचिव बनवारी लाल बैरवा, गजेंद्र सिंह चौधरी, द्वारका प्रसाद जाट, गजानंद वर्मा, काउंसलर मुरली मनोहर, चंद्रप्रकाश कुर्मी, कजोड़ मल बैरवा, निलेश विजय, कृष्णा साहू, विनीता लोदवाल, संगीता साहू, अल्पना जोनवाल, भगवान सहाय विजय, धर्मराज चौधरी, शंकर लाल सैनी, अब्दुल वहाब, अनिल नागर, पप्पू लाल मीणा ने विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। सी.ओ. गाइड ने सभी का आभार व्यक्त किया।

स्काउट्स गाइड्स द्वारा नवलगढ़ में शिक्षा मंत्री का स्वागत

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनूं के तत्वावधान में शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर के नवलगढ़ आगमन पर स्थानीय स्काउट्स गाइड्स द्वारा स्काउट जिला प्रधान गंगाधर सिंह सुंडा, जिला मुख्य आयुक्त एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अनसूईया सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक सुभाष चंद्र ढाका, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नवलगढ़ अशोक कुमार शर्मा, एसीबीओ महेंद्र सैनी, सी.ओ. स्काउट महेश कालावत, सी.ओ. गाइड सुभीता महला, नवलगढ़ स्काउट प्रधान मुरली मनोहर चोबदार के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री एवं विधायक जाखल को संगठन की परम्परा के अनुसार स्कार्फ पहनाकर, गुलदस्ता एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर भव्य स्वागत, अभिनन्दन किया गया।

सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के रामदेव मंदिर आगमन पर राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ नवलगढ़ के स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स ने लीडर ट्रेनर रामावतार सबलानिया, स्काउट सचिव दशरथ लाल सैनी, सहायक सचिव शिवप्रसाद वर्मा के नेतृत्व में माननीय शिक्षा मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया।

इस अवसर पर रोवर लीडर डॉ.संजय सैनी के नेतृत्व में पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान शिक्षा मंत्री ने इंटरनेशनल जंबूरी कोरिया में भाग लेने वाले स्काउट हेमंत, कविराज एवं श्रीलंका जंबूरी में भाग लेने वाले स्काउट मोहित वर्मा, यश वर्मा एवं अभिषेक सैनी को माला पहनाकर शाबाशी दी। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने शिक्षा मंत्री को स्काउट गाइड संगठन की अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों से अवगत करवाया।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, विधायक विक्रम सिंह जाखल ने स्काउट्स गाइड्स एवं पदाधिकारियों के साथ ग्रुप फोटो करवाई। तत्पश्चात 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत सभी आगन्तुकों ने पौधारोपण किया। इस दौरान एसीबीईओ महेंद्र सैनी, नगेंद्र सेवदा, सुलतान सिंह सैनी, रुक्मानंद खत्री, बाबूलाल सैनी, सुनीता, बीना चंदेल, स्काउट प्रधान गंगाधर सूंडा, सी.ओ. गाइड सुभिता महला, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार शर्मा, सहायक निदेशक अशोक जांगिड़, स्थानीय संघ प्रधान मुरली मनोहर चौबदार, रामावतार सबलानिया, दशरथ लाल सैनी, शिव प्रसाद वर्मा, डॉ. संजय सैनी सहित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परसरामपुरा, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय झाझड़ सीनियर सेकेंडरी स्कूल नवलगढ़, प्रेरणा पब्लिक स्कूल नवलगढ़ के स्काउट्स गाइड्स एवं पोद्दार कॉलेज नवलगढ़ के रोवर्स तथा मरुधर ओपन के रोवर रेंजर उपस्थित रहे।

स्काउट सदस्यों की सांसद से शिष्टाचार भेंट

भारत स्काउट व गाइड युवाओं को देश का श्रेष्ठ नागरिक बनना सिखाता है –अमराराम

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, दांता, जिला सीकर के कार्यकारिणी सदस्य सचिव रामलाल चौधरी, प्रभारी कमिश्नर रजनीश कुमार शर्मा, सहायक सचिव फूल मोहम्मद, एल.टी. स्काउटर पी.डी. कुमावत, कोषाध्यक्ष छीतर मल वर्मा, हनुमान प्रसाद सिंघल, हेम राज कुमावत आदि ने सीकर के माननीय सांसद श्री अमरा राम से एक शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर सांसद महोदय को उनके द्वारा विधायक होने के समय ट्रेनिंग सेंटर बनाथला पर करवाए गए कार्यों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यकारिणी सदस्यों ने साफा, श्याम दुपट्टा, प्रशस्ति पत्र एवं श्याम बाबा का प्रतीक चिन्ह देकर सांसद महोदय का अभिनन्दन किया।

सांसद महोदय ने इस अवसर पर कहा कि स्काउटिंग गाइडिंग युवाओं के लिए एक सह–शैक्षिक आंदोलन है, जिसका उद्देश्य आत्म अनुशासन, समाज सेवा और देशभक्ति के मूल्यों को विकसित करके उनके चरित्र का निर्माण करना है। यह युवाओं को किसी भी देश का अच्छा नागरिक बनना सिखाता है।

सांसद महोदय ने कहा कि राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला सीकर द्वारा समाज की की जा रही उत्कृष्ट सेवाओं की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। आपदा प्रबंधन, विभिन्न मेलों में जल सेवा, वृक्ष सेवा व विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में वृद्ध एवं दिव्यांग जनों की उत्कृष्ट सेवाएं की है, इसके लिए जिले के स्काउट गाइड कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया। भारत स्काउट गाइड आंदोलन को हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

राजस्थान कब-बुलबुल ने जीती राष्ट्रीय चैम्पियनशिप

भारत स्काउट एवं गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली की ओर से बरौनी बिहार में आयोजित राष्ट्रीय कब बुलबुल महोत्सव में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के 19 सदस्यीय दल ने शिरकत कर कब–बुलबुल की राष्ट्रीय चैम्पियनशिप जीत अपने नाम कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

राजस्थान से भाग लेने गये स्थानीय संघ, कोटा दक्षिण के ग्रुप राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आवासन मंडल केशवपुरा एवं झुन्झुनू जिले के कब बुलबुल ने राजस्थान का परचम फहराया है। दल ने पहली बार राष्ट्रीय चैम्पियनशिप प्राप्त की है।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आवासन मंडल केशवपुरा, कोटा की प्रधानाचार्या ममता चौधरी ने बताया कि 26 से 30 जून तक बरौनी स्थित वीरेंद्र शर्मा स्काउट पार्क में कब बुलबुल राष्ट्रीय महोत्सव आयोजित किया गया। स्थानीय विद्यालय के स्काउट गाइड प्रभारी प्रकाश जायसवाल के नेतृत्व में मीनाक्षी महावर, नीलम पारेता एवं नंदिनी प्रजापति सहित 19 सदस्यीय दल ने राष्ट्रीय महोत्सव में भाग लिया। जहां कब बुलबुल ग्रीटिंग, ग्रांड सैल्यूट, जंगल डांस, तारा स्टोरी, सिक्स कॉर्नर, बुलबुल ट्री, स्टोरी टेलिंग, प्ले, एक्टिंग, मॉडल मेकिंग, पेपर कटिंग, ड्राइंग, पेन्टिंग, ग्रुप सॉन्ग, ग्रुप डांस, रेड फ्लावर और कलरव, प्रदर्शनी सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं व गतिविधियां हुई। इन सभी गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में राजस्थान दल के सभी कब–बुलबुल ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिसके फलस्वरूप राष्ट्रीय चैम्पियनशिप से नवाज़ा गया है।

स्काउट की कलम से

International Scout Youth Forum 2024

on- "MODERN TECHNOLOGY AND SCOUTING"

Abhishek Vijayvargiya
Rover, Jaipur

I am very happy and glad to share my unforgettable memory with you.

From BSG India, Abhishek Vijayvargiya and Shubham Sharma two rovers were selected for the International Scout Youth Forum on "MODERN TECHNOLOGY AND SCOUTING" and received BSG Memento and Kit. The honors were presented by Amar B. Chettri, Joint Director of Scouts (Prog. & Trg.). Their selection and recognition underscore the excellence and commitment of BSG India's youth in the global scouting community.

We departed on June 6, 2024 for Hong Kong. The journey marked the beginning of an exciting adventure abroad. Our spirits were high as we embarked on this significant international experience. Arriving on June 7, 2024 (06:15 HKT) at Hongkong International Terminal, by Metro we reached Kowloon MTR Station. With the help of "Bulletin for Overseas Participants" shared by OC Team reached at BPIH At BP International Meet with Mr. Nelson CHAN, Scout Executive (International & Liaison). He granted us accommodation and also gave us information about the forum. After Check in BPIH Take rest and at night explore Temple Street Night Market, which is one of the very famous markets in HongKong and 5 minute away from BPIH.

DAY 1 : SATURDAY, 8 JUNE 2024

In the morning, we received our participant kits and were separated into groups (I was in group 2 as per the allotment). Mr. Derek informed us about the forum and what we are going to do in the upcoming 3 days. We then played blindfold games designed for team building. These activities helped us bond and develop trust within our teams.

After the briefing, we all proceeded to the opening ceremony. One participant from each country was called for the plenary speech, showcasing diverse perspectives and insights from around the world. This moment marked the beginning of a collaborative and enriching experience at the forum. After the ceremony we had lunch and a group photo. After the group photo, we were instructed to take all our belongings as we were heading to the Pak Sha Wan T.W.C. Sea Activity Centre, our campsite. Reached there at 11:55 HKT At Camp site camp master passed information about the camp site. The OC Team allocated rooms to us group-wise, after which we participated in an Input and Discussion Session on Exploring Emerging Technologies in Scouting. We responded and shared

our views in groups, and then selected a topic for the roadmap. This collaborative effort aimed to integrate new technologies into our scouting activities.

Also had a flag ceremony in which me and Shubham Sharma went for the Country Flag.

After dinner, we played tech and mind games in groups, and our group won the Big TV game. The OC Team rewarded us with snacks as gifts for our victory. It was a fun and memorable evening. In the morning, we had breakfast at 8:30. Following that, we attended some NSO presentations (due to lack of time, all NSO Presentations were not covered). Afterward, there was an input and discussion session on exploring emerging technologies in scouting, where we shared our suggestions group-wise. Also Discussed about the Road Map.

DAY 2 : SUNDAY, 9 JUNE 2024

Some local scouts brought lunch for everyone, and after the meal, the OC team provided money for an educational tour. The tour included tasks “CYBER HUNT”, each with assigned points, and the group with the highest points would win the game. They instructed us to download the Goose Chase app, where we received tasks, uploaded photos and videos, and shared live locations to collect points. The OC Team also said that we have to complete the maximum tasks and reach to the Group 3 emerged victorious in the Cyber Hunt competition. Their exceptional skills and teamwork led them to outperform their peers.

After the winner announcement, we enjoyed a vibrant cultural night where we showcased our traditional costumes and delectable food. We also displayed various Scout scarves and badges available for swapping, fostering a spirit of camaraderie and exchange. The evening was filled with joy and excitement as participants eagerly shared their unique heritage. The night culminated in a lively dance party, bringing everyone together in celebration. It was a memorable event that highlighted the rich diversity and unity within our scouting community.

In the morning, we had breakfast at 8:00 AM before leaving the campsite and heading to BPIH. Upon arrival, we continued with the remaining NSO presentations, showcasing our projects and ideas. The sessions were engaging and insightful, allowing us to exchange knowledge and experiences. Each presentation highlighted the diverse initiatives undertaken by different NSOs. The atmosphere was collaborative and inspiring, fostering a sense of unity among all participants. The day was both productive and enriching, contributing significantly to our overall experience. also shared our Road Map

During the closing ceremony, participants from various countries shared their views and experiences. Each attendee was provided with a participation certificate, commemorating their involvement. A group photo was taken to capture the memorable event.

They celebrated my birthday during the event, giving me a card signed by all the participants with heartfelt wishes. This gesture was incredibly special to me. The organizing committee even made a fruit cake in honor of my vegan lifestyle. Their thoughtfulness and inclusivity made the experience unforgettable.

DAY 3 : MONDAY, 10 JUNE 2024

I learned a lot about technology and how other NSOs are working. I also shared knowledge about BSG's initiatives and operations. This experience provided valuable insights and fostered international cooperation. Special thanks to Bharat Scouts and Guides for selecting and supporting us in this enriching journey.

पर्यावरण और हमारा दायित्व

पर्यावरण व्यक्ति के आस–पास की वह स्थान या परिस्थिति है, जिसका व्यक्ति के अस्तित्व, जीवन–निर्वाह, विकास आदि पर प्रभाव पड़ता है। सामान्य अर्थों में इसे 'वायुमंडल' भी कह सकते हैं।

वायुमंडल प्रकृति का वरदान

हमारा वायुमंडल हमारे लिये प्रकृति का अनुपम वरदान है। यह हमारा पालनकर्ता और जीवन का आधार है। हमें स्वस्थ और सुखमय रखने का प्रकृति द्वारा प्रदत्त रक्षा कवच है। विचारणीय है कि यदि यह रक्षा कवच ही विषाक्त हो जाए तो यह अभिशाप बनकर मानव–जीवन का संहारक बन जाता है। इसलिए पर्यावरण की सुरक्षा का दायित्व हम सबका है।

आजादी से पहले जब बड़े–बड़े उद्योगों का विस्तार नहीं हुआ था, हमारा पर्यावरण बिलकुल शुद्ध था। शुद्ध वायु हमारा आलिंगन करती थी। शुद्ध जल हमारा अभिषेक करता था। उर्वर भूमि हमें स्वास्थ्यप्रद अन्न प्रदान करती थी। जीवन में न अधिक भाग–दौड़ थी, न हाय–हाय। संतुष्टि पूर्ण शान्तिप्रद जीवन हम सबके लिये पर्यावरण का वरदान था।

शस्य श्यामला धरती और हम

वन उपवनों से हरी–भरी भारत भूमि शस्य श्यामला थी। वायुमंडल शुद्ध था क्योंकि भूमि पेड़–पौधों, वृक्ष–लताओं से समृद्ध थी, इसलिए हवा की पावन सुगंध जन–जीवन को सुरभित कर रही थी। जनसंख्या बढ़ी। इसकी गति तीव्र हुई। इस बढ़ी हुई जनता के निवास के लिए भूमि चाहिए थी। दूसरी ओर, बढ़ती जनसंख्या की भूख मिटाने और अधिकाधिक सुख–सुविधाएँ प्रदान करने के लिए उत्पादन बढ़ाने की जरूरत थी। उत्पादन बढ़ाने के लिए कारखाने, फैक्ट्रियां तथा औद्योगिक संस्थान स्थापित किए गए। इनके लिए भूमि की मांग हुई। इसकी मांग पूरी की वन–उपवनों ने, खेत–खलिहानों ने। जहाँ भूमि शस्य श्यामला थी, वहाँ गगन चुम्बी इमारतों का निर्माण हो गया, भूमि को`ालेबतंचचमते से भर दिया, वायु मार्ग को अवरुद्ध कर दिया और हमने प्राणदायिनी वायु को अपने ही हाथों कुछ सीमा तक अवरूद्ध कर अपने लिए अनेक असाध्य रोगों को निमन्त्रण दे दिया।

बढ़ता उद्योग और पर्यावरण

जन–सुख–सुविधा के लिए औद्योगिक संस्थानों की नई वैज्ञानिक प्रौद्योगिकी ने उत्पादन तो बढ़ाया, किन्तु पर्यावरण को तीन रूपों में प्रभावित कर दिया। (1) कारखानों की चिमनियों से जो धुआँ निकला, उसने वायु को प्रदूषित कर दिया। उत्पादन के अवशेष तथा व्यर्थ पदार्थों को जलाया और भराव के काम लिया गया। दोनों ने वायु को प्रदूषित किया। (2) उद्योगों के दूषित रासायनिक द्रवित पदार्थ को पास की नदी में प्रवाहित कर दिया। जिससे पेय–जल दूषित हो गया। (3) वन के वृक्ष कटने से मौसम का मिजाज बिगड़ा, वर्षा का चक्र बे–समय हुआ। वर्षा का जल जो पहले वृक्षों के कारण बहने से रूकता था, बेरोकटोक बहने लगा, फलतः भूमि की उर्वरा शक्ति घटने लगी। कुछ औद्योगिक उत्पादनों के लिए वनों का भी निर्ममता ने विनाश किया गया। इससे भी पर्यावरण दूषित हुआ।

वायु प्रदूषण और पर्यावरण

वायु प्रदूषण का प्रथम कारण था वन–उपवनों की कटाई। कटाई का कारण था जनसंख्या की वृद्धि के साथ निवास के लिए भवनों का निर्माण और औद्योगिक संस्थानों की स्थापना। इसलिए वायु प्रदूषण रोकने के लिए जनसंख्या वृद्धि को रोकना हमारा कर्तव्य होना चाहिए। दूसरी ओर, औद्योगिक संस्थानों को शहर से बाहर, आबादी से दूर स्थानान्तरित करवाना होगा। उच्च न्यायालयों तथा सर्वोच्च न्यायालयों के निर्णयों को मनवाने के लिए बाध्य करना होगा। तीसरी ओर, औद्योगिक कचरे का वैज्ञानिक हल ढूँढवाना, हमारी जिम्मेदारी है।

वाहनों के पाइपों से जो गैस सरे–आम जीवन में विष घोल रही हैं, उनको रोकें। हम अपने वाहनों से 'प्रदूषण–मुक्त' प्रमाण–पत्र मिलने पर ही चलें। धूम्रपान जो हमारे शौक की विवशता है, उसे यथासम्भव कम करें। प्रदूषित स्थलों पर नाक पर रूमाल रखने का स्वभाव बनाएँ।

वनीकरण समय की मांग

भूमि को पुनः उर्वर बनाना होगा। इसके लिए वन–उपवनों का विकास करना होगा तथा वनों के विनाश को रोकना होगा। असंख्य पेड़–पौधें लगाकर उनको पल्लवित–पुष्पित करना हमारा

दायित्व होगा। राजमार्गों तथा अत्यधिक व्यस्त मार्गों के बीच या दोनों ओर जैसे भी संभव हो। वृक्षों की पंक्तियाँ सुशोभित करवाना भी हम अपना धर्म समझें। जब भी एक पेड़ काटें उसके स्थान पर पहले एक पेड़ जरुर लगा दें।

बिन पानी सब सून

जीवन की दूसरी आवश्यकता है, जल। औद्योगिक संस्थानों ने तो जल को विषाक्त किया ही, किन्तु हमने अपनी अव्यवस्था से भी जल को दूषित कर दिया, कपड़े–बरतन–हाथ धोने, स्नान करने तथा फर्श साफ करने पर जो अशुद्ध जल बहता है, उसे हमने पास के जल स्त्रोत में बहा दिया। उसमें अपना मल और मूत्र भी प्रवाहित करते रहे जिससे जल और भी प्रदूषित हो गया।

शुद्ध–जल पीने को मिले, यह हमारा अधिकार है, पर जल प्रदूषण से बचना भी हमारा दायित्व है। शहर के गन्दे जल को पास की नदी में प्रवाहित करने के स्थान पर आबादी से दूर उसके विसर्जन की व्यवस्था करवानी होगी। दूसरे, औद्योगिक रासायनिक द्रव को जल में प्रवाहित करने पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगवाना होगा। तीसरे, रासायनिक प्रक्रिया द्वारा जल के परिशोधन को निश्चित करना होगा। चौथे, जल के अपव्यय को रोकें तथा पेय जल को फिल्टर करके या उबाल कर प्रयोग में लाएं।

ध्वनि प्रदूषण और हमारा जीवन

पर्यावरण को प्रदूषित करने का एक और माध्यम है–'शोर'। इसे 'ध्वनि प्रदूषण' कहा जाता है। ऊँची, तीखी और कर्ण कटु ध्वनियाँ जीवन के लिए हानिप्रद हैं। आकाशवाणी तथा दूरदर्शन की ऊँची आवाज तो घर की चार–दीवारी में गूंजती है, जो घर के वातावरण को दूषित करती हैं। धार्मिक स्थानों पर लगे लाउडस्पीकर, दुकानों पर लगे रेडियो, बैंड की आवाज, जलसे–जुलूसों की नारे–बाजी अनचाहे हमें झेलनी पडती हैं। इसी प्रकार सडकों पर चलते वाहनों के 'हॉर्नों' की आवाज तथा उनकी गड़गड़ाहट भी भयंकर शोर उत्पन्न करती हैं। 'शोर' से उत्पन्न होना है ध्वनि प्रदुषण। ध्वनि प्रदूषण से प्रभावित होती है हमारी श्रवण–शक्ति। ध्वनि प्रदूषण से न सिर्फ हमारी सुनने की शक्ति समाप्त हो जाती है बल्कि इससे और भी कई रोग हो जाते हैं।

पर्यावरण की रक्षा हमारा संकल्प

हम अपने रोजमर्रा की चीजों को पाने में या यूँ कहें कि अपने लालच में अपने ही पर्यावरण को हानि पहुंचा रहे हैं। पावन वायु, शुद्ध जल तथा शक्तिवर्धक भोजन हमारे जीवन जीने के लिए अनिवार्य हैं। इनकी प्राप्ति के लिए प्रयत्न करना हमारा दायित्व है। यदि हमने अपने दायित्व से मुख मोड़ा तो सृष्टि के विनाश के अपराधी हम स्वयं होंगे, प्रकृति या जगत–नियंता नहीं। इसलिए हमें अपने पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी बनना पड़ेगा। आज पर्यावरण को लेकर समूचा विश्व चिंतित है। प्रदूषक तत्वों की मात्रा निरंतर बढ़ती जा रही है। यह सम्पूर्ण मानवता के लिये खतरनाक है। इसलिए हम सबको मिलकर इसके नियंत्रण के लिए एकजुट होना होगा और इसे अपनी जिम्मेवारी मानते हुए इस दिशा में ठोस पहल करनी होगी।

CELEBRATIONS DAYS : AUGUST-SEPTEMBER, 2024

09 August	:	Indian Revolution Day
12 August	:	International Youth Day
13 August	:	Organ Donation Day
15 August	:	Independence Day
19 August	:	World Humanitarian Day
20 August	:	Sadbhavana Day
26 August	:	Women's Equality Day
29 August	:	National Sports Day
05 September	:	Teacher's Day
08 September	:	International Literacy Day
14 September	:	Hindi Day
16 September	:	World Ozone Day
21 September	:	World Peace Day
27 September	:	World Tourism Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर

- राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुभाष नगर में संचालित स्काउट गाइड ईको क्लब ने 12 जुलाई को राजस्थान सरकार द्वारा विद्यालयों में चलाये जा रहे अमृत पर्यावरण महोत्सव 2024 के तहत विद्यालय को ग्रीन, क्लीन, पॉलीथिन फ्री बनाने हेतु नगर परिषद सभापति राकेश पाठक के मुख्य आतिथ्य एवं प्रधानाचार्य उर्मिला जोशी की अध्यक्षता तथा क्षेत्रीय पार्षद जगदीश गुर्जर एवं भाजपा जिला मंत्री सुरेंद्र सिंह मोंटरास के विशिष्ट आतिथ्य में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इको क्लब प्रभारी एवं सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) प्रेम शंकर जोशी ने कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए बताया कि अध्यक्ष नगर परिषद भीलवाड़ा द्वारा जेसीबी भेज कर, मियां वाकी पद्धति से सघन पौधारोपण

की गहरी क्यारियां तथा गड्ड़े खुदवाए गये। स्वच्छता कर्मचारियों से विद्यालय में साफ–सफाई करवा कर विद्यालय को ग्रीन, क्लीन, पॉलीथिन फ्री बनाने में समय–समय पर विशेष सहयोग प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में स्काउट, गाइड, इको क्लब सदस्य एवं विद्यालय के समस्त स्टॉफ तथा अतिथियों को जन जागरूकता हेतु सिंगल यूज प्लास्टिक, पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने के नारे लिखे हुए कैनवास के बेग वितरित किए गए। सभी ने हाथों में सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प अपनाने के डिस्प्ले बोर्ड, कैनवास बैग लेकर विद्यालय को ग्रीन, क्लीन और पॉलीथिन फ्री बनाने एवं जनसाधारण को इस हेतु जागरूक करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री पाठक ने नव निर्मित विशाल डोम में नगर परिषद की ओर से पंखे, लाइट और साउंड सिस्टम लगाने का आश्वासन दिया एवं विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण कर विद्यालय के सघन वृक्षारोपण अभियान को गति प्रदान की। इस अवसर पर नव नियुक्त उप प्रधानाचार्य किरण माहेश्वरी, भारती शर्मा, प्रेम शंकर जोशी, सोनू लाल खटीक, प्रीति शर्मा, बुलबुल फ्लॉक लीडर मंजू शर्मा, व्याख्याता (शा.शि.) सुनील कुमार खोईवाल, नाहर सिंह मीणा कुसुम तोदी, ममता शर्मा, प्रेम शर्मा, सुषमा पालीवाल, मीनाक्षी शर्मा सहित विद्यालय स्टाफ के सभी सदस्य उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भीलवाड़ा के तत्वावधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुभाष नगर में 1 से 7 जुलाई तक संचालित हुए समर कैंप एवं स्काउट गाइड के पर्यावरण सप्ताह का 8 जुलाई को 'कपड़े के थैले हमें स्वीकार, सिंगल यूज प्लास्टिक है बेकार' नारे के साथ समापन हुआ। प्रधानाचार्य उर्मिला जोशी के अनुसार शिविर बालकों को पॉलीथिन और सिंगल यूज प्लास्टिक को खुले में नहीं फेंक कर पानी की खाली बोतलों में भरकर इको ब्रिक्स बनाने की विधि प्रायोगिक रूप से समझाई गई। समर कैंप प्रभारी एवं सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) प्रेम शंकर जोशी ने

शिविरार्थियों को बताया कि प्लास्टिक की थैलियां व सिंगल यूज प्लास्टिक बायो डिग्रेडेबल नहीं होता जिससे वह नष्ट नहीं होकर आमतौर पर जमीन के अंदर जल प्रदूषण एवं बाहर मृदा प्रदूषण का प्रमुख कारण बनता है। पशुओं द्वारा खाद्य पदार्थों के लालच में इसे खा जाने के कारण उनकी मृत्यु का भी कारण बनता है। अतः हमें अधिक से अधिक कपड़े और कागज के थैलों का उपयोग करना चाहिए। व्याख्याता शारीरिक शिक्षा सुनील खोईवाल, व्याख्याता नाहर सिंह मीणा, ममता शर्मा, सोनू शर्मा, विकास जोशी, सोनू लाल खटीक, नीलम परिहार, कुसुम तोदी सहित स्टॉफ के सभी सदस्यों का शिविर के सफल संचालन में विशेष सहयोग रहा।

भरतपुर

- करौली जिले के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बखतपुरा में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 840 पेड़ लगाए गए। स्काउट गाइड ने विद्यालय के बच्चों को साथ में लेकर पूरे गांव में जन जागरूकता रैली का आयोजन किया, जिसमें विद्यालय के प्रधानाध्यापक सहित

समस्त स्टाफ सहित स्काउट मास्टर श्री मुकेश कुमार सारस्वत व श्रीमती सपना सारस्वत ने स्काउट गाइड को नेतृत्व प्रदान किया। रैली पश्चात विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया गया, जिसकी सभी ने प्रशंसा की।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, करौली इको क्लब के तत्वावधान में 6 जुलाई 2024 को महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कैलादेवी में वन महोत्सव का आयोजन किया गया। अध्यक्षता कर रहे प्रधानाचार्य रजनीश अवस्थी ने कहा कि वन महोत्सव के तहत लगाए गए पौधों की पूर्ण सुरक्षा एवं उन्हें बड़े करने का उत्तरदायित्व स्थानीय विद्यालय के स्काउट गाइड एवं स्टाफ ने लिया है। स्थानीय संघ करौली के सहायक सचिव एवं ट्रेनिंग काउंसलर गणेश चंद शर्मा ने

बताया कि वन महोत्सव के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य अतिथि सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता एवं अध्यक्षता स्थानीय विद्यालय के प्रधानाचार्य रजनीश अवस्थी ने की। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट ने कहा कि एक वृक्ष 100 पुत्र के समान होता है, हमें प्रत्येक वृक्ष की सार संभाल कर उससे बड़ा करना है। सचिव स्थानीय संघ करौली मुकेश कुमार सारस्वत ने कहा कि वह स्काउट गाइड के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा, सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग के खिलाफ लगातार अभियान चलाएं एवं अपने–अपने अभिभावक मित्रों को प्रेरित करें और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें। इस अवसर पर एसएमसी सदस्य गोपाल लाल, पीटीआई हिम्मत सिंह, सत्यनारायण महेरा, सत्यनारायण शर्मा एवं विद्यालय स्टाफ के सभी अध्यापक अध्यापिकाओं ने मिलकर लगभग 10–10 फीट के बरगद, पीपल, आम, जामुन, बेलपत्र, आंवला, राज्य वृक्ष खेजड़ी, कनेर, शहतूत सहित लगभग 20 प्रजातियों के 150 पेड़ स्काउट गाइड बालक बालक बालिकाओं के सहयोग से लगाए। इस अवसर पर उपस्थित स्टाफ सदस्य सूर्यकांत शर्मा, अवधेश कुमार शर्मा, उप प्रधानाचार्य व्याख्याता विमलेश शर्मा, प्रकाश चंद शर्मा, रघुवीर भगत, महेश चंद मीणा, वरिष्ठ अध्यापक अर्चना अग्रवाल, अवतार लाल मीणा, दीनदयाल शर्मा, राज बिहारी शर्मा, ऋषि राज शर्मा, अध्यापक एवं स्काउटर गणेश चंद शर्मा, विजय कुमार वर्मा, मुरलीधर सेन, गगन शर्मा, भरती लाल बेरवा, करण सिंह मीणा, मुरारी लाल सेन, सरिता बाई, सीता गुप्ता, मनीषा मीणा, विष्णु कुमार, कुलदीप, देवेंद्र कुमार मीणा, सुधीर मीणा, शैलेश अग्रवाल, राजेंद्र कुमार शर्मा, राधेश्याम मीणा ने एक–एक पेड़ को गोद लिया एवं उसकी पूर्ण सुरक्षा की जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर गाइडर विमलेश शर्मा एवं स्काउट प्रभारी गणेश चंद शर्मा राज्यपाल पुरस्कार रोवर लवकुश मंगल ने सभी स्काउट गाइड को प्रेरित करके व्यवस्थाओं को अंजाम दिया।

बीकानेर

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चूरू के तत्वावधान में चूरू जिला कौंसिल का द्वितीय वार्षिक अधिवेशन 19 जुलाई को इन्द्रलोक भवन में आयोजित हुआ। अधिवेशन में जिला संगठन के जिला पदाधिकारी एवं सेवाभावी सदस्यों ने जिले की स्काउट गाइड गतिविधियों एवं सेवा कार्यों के मूल्यांकन के साथ साथ आगामी योजना तैयार की। स्काउट सी.ओ. महीपाल सिंह तंवर ने बताया कि वार्षिक अधिवेशन में वर्ष 2023–24 में प्राप्त उपलब्धियों का सिंहावलोकन करते हुए वार्षिक प्रतिवेदन एवं अंकेक्षित आय व्यय का विवरण प्रस्तुत किया, जिसका सदन द्वारा अनुमोदन किया गया। अधिवेशन में नव सत्र का वार्षिक कार्यक्रम एवं बजट स्वीकृत कर योजनाओं की क्रियान्विति पर विचार विमर्श कर लक्ष्य प्राप्त करने का संकल्प लिया। स्थानीय संघ तारानगर द्वारा अतिथियों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर स्काउटर मनीराम स्वामी, जीवराज सिंह,

गोपाल लाल बैरवा व गाइडर किरण भाटी को यूनिट लीडर की सर्वोच्च योग्यता प्राप्त करने पर हिमालय वुड बेज पार्चमेन्ट प्रदान किया गया और सत्यनारायण स्वामी एवं कन्हैयालाल को दीर्घकालीन सेवा अलंकार से सम्मानित किया गया। पूर्व प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर राजरानी सहगल की स्मृति में जिले में श्रेष्ठ संख्यात्मक वद्धि के लिए स्थानीय संघ, रतनगढ़ को प्रथम एवं स्थानीय संघ सुजानगढ़ को द्वितीय को शील्ड प्रदान की गई।

पुलिस उप अधीक्षक मीनाक्षी, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी डॉ. सुमन जाखड़ ने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर डॉ. एम.एम. शेख, हरिप्रसाद शर्मा, महावीरसिंह शेखावत, जिला कोषाध्यक्ष संदीप कुमार, सम्पत बोहरा, विक्रमसिंह चौहान, औंकारमल शर्मा, राजेन्द्र पिलानिया, ओमप्रकाश शर्मा, हाकम अली, सलीम खान तथा बाबूलाल बुनकर उपस्थित थे। शान्तिदेवी कन्दोई बाउमा विद्यालय की गाइड्स द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

जयपुर

- भारत स्काउट व गाइड, मंडल मुख्यालय, बनीपार्क–जयपुर के तत्वावधान में 12 जुलाई 2024 को गाइड विभाग द्वारा

वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया, जिसके अंतर्गत बनीपार्क में चल रहे डीएलएड गाइड शिविर में उपस्थित सभी संभागी ने पूरे परिसर में पौधारोपण किया। इस मौके पर बनीपार्क क्षेत्र के पार्षद श्री रवि सैनी, राज्य संगठन आयुक्त पूरण सिंह शेखावत, सुयश लोढ़ा एवं एएसओसी गाइड नीता शर्मा द्वारा

वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस मौके सी.ओ. गाइड ने बनीपार्क में संचालित डीएलएड गाइड शिविर की संभागी एवं अन्य स्टाफ तथा संचालक बसंती शर्मा, सहायक संचालक तनुजा शर्मा, ट्विंकल मानावत, पूजा, हिमांशी जैन आदि सभी गाइडर उपस्थित थी। पौधारोपण के लिए लगभग डेढ़ सौ पौधे स्थानीय पार्षद महोदय द्वारा निशुल्क उपलब्ध करवाए गए।

- जयपुर के स्वर्ण पथ, मानसरोवर स्थित टैगोर विद्या भवन के इको क्लब की गाइड्स द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम

आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत संस्था प्राचार्य एम.एल. शर्मा ने वृक्षारोपण करते हुए वृक्षों का महत्व बताया और उनके रखरखाव व वृक्षारोपण की नई तकनीक के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। इसी के साथ उन्होंने प्रत्येक गाइड को एक–एक वृक्ष देकर उसकी देखरेख व संभाल करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का संचालन व आभार गाइडर अनिता सिंह ने किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में नेशनल ग्रीन कोर व शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के तहत ज्ञानदेव प. उ.मा.विद्यालय सीकर में इको क्लब, स्काउट ग्रुप एवं विद्यालय द्वारा पर्यावरण सप्ताह मनाया गया। इस दौरान सात दिन तक विभिन्न प्रकार की गतिविधियां जैसे पोस्टर, निबंध और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस अवसर पर संस्था प्रधान जगदीश प्रसाद मालविया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। देवीलाल जाट सहायक

सचिव, भारत स्काउट गाइड, सीकर ने बताया कि पोस्टर प्रतियोगिता में कोमल परिहार प्रथम, स्काउट कुन्दन रेंगर द्वितीय, सोनू आलडिया तृतीय स्थान निबंध प्रतियोगिता में स्काउट जयकृष्ण डामोर प्रथम, स्काउट साहिल पाण्डोर द्वितीय, विक्रम कुमार तृतीय तथा भाषण प्रतियोगिता में स्काउट कुन्दन रेंगर विजेता रहे। स्काउट मास्टर गिरधारी लाल जाट ने सभी का स्वागत किया और अन्त में प्रधानाचार्य शीशराम मालविया ने पधारे हुए सभी को धन्यवाद दिया। इस मौके पर सुनिल कुमार सैनी, मनोहरी देवी, हरि राम यादव, पवन कुमार शर्मा, यशवंत कुमार, रोहिताश मालविया, उर्मिला ताखर, रामजीलाल पुनिया, स्काउट्स एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

सीकर के सावित्री बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में भारत स्काउट व गाइड व नेशनल ग्रीन कोर इको क्लब प्रभारी इंदु शर्मा के नेतृत्व में पर्यावरण सप्ताह के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्य किया गया। वन विभाग से पौधे लाकर मोरी गेट शमशान घाट और शेषनाथ मंदिर में वृक्षारोपण का कार्य किया गया। साथ ही पर्यावरण सप्ताह के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त छात्रों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर श्रीमती इंदु शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण पर प्रभावशाली वार्ता प्रस्तुत की, छात्रों को पर्यावरण को संरक्षित रखने का संदेश दिया और कहा की अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर ही हम पर्यावरण को संरक्षित रख सकते है। एक कचरे को इधर–उधर नहीं फैला कर जल बचाकर स्वास्थ्यप्रद दिनचर्या अपना कर हम अपने पर्यावरण को संरक्षित कर सकते हैं।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के यूथ जिला अध्यक्ष निक्की कुमार जांगिड़ ने बताया कि जिला स्तरीय यूथ कमेटी की दूसरी वर्चुअल मीटिंग 15 जुलाई को

आयोजित की गई। मीटिंग की अध्यक्षता सीकर सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा ने की। इस मीटिंग में राज्य मुख्यालय के आदेशानुसार सतत विकास लक्ष्य एसडीजी को लेकर यह मीटिंग आयोजित की गई। पिछले 7 दिनों में सीकर जिले ने एसडीजी–15 (भूमि पर जीवन) पर कार्य किया और रिपोर्ट सबमिट करी। जिसमें पूरे राजस्थान में जिला सीकर टॉप 3 में रहा। सीकर जिले को राजस्थान यूथ फोरम द्वारा एक स्कार्फ देकर सम्मानित किया गया। मीटिंग में सीकर जिले के सभी स्थानीय संघ के रोवर्स रेंजर्स ने भाग लिया। श्रीगंगानगर से कुलदीप कुमार द्वारा सतत विकास लक्ष्य के 17 लक्ष्यों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। रोवर रामप्रसाद भास्कर एवं पीताम्बर लोरा ने राज्य से प्राप्त सीकर जिले को जो एसडीजी विशेष गोल (स्वच्छ जल और स्वच्छता) दिया गया, उसके बारे में विस्तृत जानकारी दी।

सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा ने एसडीजी के बारे में बताया और इसमें अग्रणी भूमिका निभाने के लिए सभी को मोटिवेट किया और कहा कि सभी स्थानीय संघ को अलग–अलग कार्य बांट दिया जाएगा। अंत में यूथ जिला अध्यक्ष निक्की कुमार जांगिड़ ने सभी जुड़े हुए अधिकारियों, सचिव पलसाना पवन शर्मा व प्रभु दयाल कुमावत, रोवर्स, रेंजर्स का आभार व्यक्त किया। मीटिंग में अरुण, पंकज, दिनेश, गिरधारी, पवन, जय सिंह, राहुल, नरेंद्र, संदीप, महेंद्र, नवीन, सोनू, सोनाक्षी, सुमित, आरती, पीयूष, आयुष, हेमलता, कोमल, निकिता जांगिड, उज्जवल, कनिका, रौनक शर्मा, निकिता कुमारी, पिंकी, पूजा और अन्य सदस्य मौजूद रहे।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, दौसा के तत्वावधान में 06 जुलाई 2024 को स्थानीय विद्यालय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय केसरा में पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में स्थानीय विद्यालय के स्काउट गाइड

तथा इको क्लब के सदस्यों ने विद्यालय के सभी छात्र–छात्राओं के साथ भाग लिया। स्थानीय विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री महेंद्र सिंह मीणा व उप प्रधानाचार्य श्री निहाल सिंह सैनी ने पर्यावरण शुद्ध रखने हेतु उद्‌बोधन देकर रैली को रवाना किया। रैली गांव के मध्य से निकलकर पुनः विद्यालय परिसर में निनाद लगाती हुई एकत्रित हुई। इको क्लब प्रभारी श्री हरेंद्र सिंह राजपूत सचिव स्थानीय संघ महवा के नेतृत्व में पर्यावरण चेतना हेतु रैली निकाली गई व विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में हैज, कनेर, गुड़हल, गुलमोहर, जंगल जलेबी, कदम्ब देशी, करंज, सिरस, अशोक आदि के सैकड़ों

पौधे लगाए गए। हनुमान जी की बगीची मंदिर परिसर में गूलर का पेड़ लगाया गया। पर्यावरण सप्ताह के तहत छात्र–छात्राओं सहित स्टाफ ने करीब 300 पौधे लगाए व छात्र–छात्राओं को वितरित किए। इस अवसर पर मनीष मीणा, प्रहलाद मीणा, यादराम सैनी, संजय कुमार, विनोद शर्मा, चैतन्य कुमार योगी, कैलाश मीणा, रामजीलाल बैरवा, शिवलाल मीणा, दिलीप मीणा, गोवर्धन सिंह, लालाराम सैनी सहित स्टाफ तथा विद्यालय के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

जोधपुर

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जोधपुर के तत्वावधान में 3 जुलाई, 2024 को राजकीय कन्या महाविद्यालय मगरा पूंजला में रेंजर विभाग द्वारा 'नो प्लास्टिक डे' के अवसर पर महाविद्यालय परिसर से प्लास्टिक का

कचरा हटाया, परिसर की साफ सफाई कर वृक्षारोपण किया तथा ऊर्जा संरक्षण हेतु सीमित संसाधनों का प्रयोग कर खुशहाल जीवन जीने का संदेश दिया। रेंजर्स ने महाविद्यालय के शैक्षणिक संकाय सदस्यों को महाविद्यालय परिसर में रोपने हेतु पौधे भेंट किए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महाविद्यालय की पूर्व छात्रा सीनियर रेंजर सोनिया देवड़ा ने रेंजर्स को पौध तथा जैविक खाद तैयार करने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनकी माताजी को बागवानी का अनुभव है जिससे सीख लेते हुए उनकी अभिरुचि भी इस ओर हुई। बागवानी को रोजगार के एक विकल्प के रूप में रखते हुए उन्होंने कहा कि इससे पारिस्थितिकी को कम से कम हानि पहुंचाते हुए जीविकोपार्जन करते हुए मनुष्यों तथा अन्य जीवों के लिए आहार जैसी मूलभूत आवश्कता को पूरा किया जा सकता है। राज्य सरकार तथा भारत सरकार के बागवानी मिशन संबंधी अनेक योजनाओं की जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय प्राचार्य श्रीमती शशि कला परिहार ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा रेंजर्स का उत्साहवर्धन किया। रेंजर काव्यांशी भाटी, निरमा व प्रियंका ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जोधपुर के निर्देशानुसार 2 जुलाई 2024 को राजकीय कन्या महाविद्यालय, मगरा पूंजला रेंजर इकाई द्वारा ई वेस्ट प्रबंधन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। रेंजर विभाग प्रभारी डॉ. अंशुल दाधीच ने बताया कि रेंजर टीम को इलेक्ट्रॉनिक कूड़ा तथा मोबाइल, इंटरनेट डेटा वेस्ट की जानकारी देते हुए इसके पुनर्चक्रण के बारे में बताया तथा इससे संबंधित विशिष्ट ज्ञान अर्जित करने हेतु पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्य सर्टिफिकेट, डिप्लोमा कोर्स करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। तत्पश्चात स्वस्थ दिनचर्या, संयमित जीवनशैली विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें पोस्टर तथा कलर्स बाजार से खरीदने का विकल्प न रखकर महाविद्यालय कार्यालय में पड़े अनुपयोगी कागज तथा सूखी हुई व्हाइट बोर्ड रिफिल स्याही को पुनर्चक्रित करते हुए उपयोग करने के लिए कहा गया। इस अवसर पर रेंजर मनीषा चंदावत, रेंजर काव्यांशी भाटी, रेंजर निरमा प्रजापत, रेंजर पायल जागिंड, रेंजर प्रेरणा लखारा, रेंजर मानसी ने सहभागिता की।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, पाली के तत्वावधान में 15 जुलाई को जिला प्रशिक्षण केंद्र के संत श्री पूर्णेश्वर सभागार में जिला कार्यकारिणी सभा एवं जिला मूल्यांकन सेवा

समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला मुख्य आयुक्त एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्री चंद्र प्रकाश जायसवाल ने की। श्री प्रकाश सिंघानिया एडीपीसी समग्र शिक्षा एवं जिला कमिश्नर की उपस्थिति में बैठक की कार्यवाही की गई। प्रशिक्षण केंद्र पर वृक्षारोपण किया गया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, पाली के तत्वावधान में माननीय मुख्यमंत्री पौधारोपण अभियान के अंतर्गत 5 जुलाई 2024 को प्रातः 8.30 बजे श्री बांगड़ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में पौधारोपण के संबंध में जन जागरूकता हेतु मानव श्रृंखला का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री चंद्र प्रकाश जायसवाल मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्य आयुक्त ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि श्रीमती नूतन बाला कपिला सहायक स्टेट कमिश्नर गाइड, श्री बसंत

परिहार प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर स्काउट व प्रिंसिपल बांगड़ स्कूल श्रीमती सुनीता जोनवाल प्रधानाचार्य एवं प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर गाइड स्थानीय संघ पाली के आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

स्काउटर गाइडर श्री दीपक जावा, धर्मेंद्र नारायण बलवंशी और नीलम लक्षकार के नेतृत्व में और मार्गदर्शन में स्काउट रोवर घीसाराम, विशाल चौहान, कैलाश, दिनेश, रेंजर रिया, सोनू, रेखा, छवि, अमीषा, निशा, योगिता आदि रेंजर्स ने 'सेव ट्री' की थीम पर रंगोली बनाई।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही में 7 जुलाई 2024 को नेशनल ग्रीन कोर इको क्लब के तहत सघन पौधारोपण किया गया, जिसके मुख्य अतिथि पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी गणपत सिंह देवड़ा एवं अध्यक्षता श्री अशोक कुमार दवे स्काउट गाइड जिला मुख्यालय कोषाध्यक्ष एवं भीक सिंह

भाटी योगाचार्य के विशेष आतिथ्य में किया गया। सर्कल ऑर्गेनाइजर (स्काउट) एम.आर. वर्मा ने बताया कि जिले के 250 विद्यालयों और तीन महाविद्यालय में भी इको क्लब के तहत पौधारोपण किया जा रहा है। इस अवसर पर स्काउट एवं रोवर उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा आयोजित जिला स्तरीय बिगिनर्स कोर्स में 152 अध्यापक अध्यापिका सम्मिलित हुए। बिगिनर्स कोर्स का शुभारंभ श्री महेंद्र कुमार मेवाड़ा सभापति नगर परिषद सिरोही ने किया और श्री हीरालाल माली मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सिरोही,

श्री राजेंद्र कुमार पुरोहित सहायक निदेशक सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता विभाग सिरोही, श्री गणपत सिंह देवड़ा पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी, श्री भीक सिंह भाटी योगाचार्य उपस्थित थे। अध्यापक अध्यापिकाओं को विभिन्न वार्ता दी गई। शिविर का संचालन सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जैसलमेर के तत्वावधान में 11 जुलाई को पौधारोपण कर विश्व जनसंख्या दिवस मनाया गया। सी.ओ. गाइड कृतिका पाराशर ने डाबला रेंज वन विभाग अधिकारी श्री जगदीश चौधरी, वी गजरूप

सागर, रेंज अधिकारी सत्यनारायण शर्मा, फील्ड अधिकारी राजकुमार, रेंजर भावना शर्मा के साथ जिला मुख्यालय परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर अने स्काउट गाइड और अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कोटा

- भारत स्काउट व गाइड, कोटा की ओर से डायमंड अकादमी सी.सैकेंडरी स्कूल विनोबा भावे नगर, कोटा में संचालित कौशल विकास अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक यतीश विजय रहे, विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी राजेश मीणा व सी.ओ. स्काउट बृजसुंदर मीणा थे। सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप माथुर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। सी.ओ. स्काउट बृजसुंदर मीणा ने बताया कि अभिरुचि शिविर

के दौरान सात अलग–अलग विषयों में 92 संभागियों ने भाग लिया। विश्व धूम्रपान एवं तंबाकू निषेध दिवस और विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर आयोजित की गई प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले संभागियों को पारितोषिक वितरण किया गया। इस अवसर पर पूर्व एसबीओ राम विलास रखवाला ने सभी संभागियों को अधिक रुचि के साथ काम करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर शिविर संचालक दल के सदस्य के रूप में इंद्रराज दाधीच, गिरिराज राठौर, अंजू सोरल, नित्यानंद शर्मा, विद्यालय निदेशक श्रीमती रामा राठौर ने भी अपने–अपने विचार रखें। शिविर में प्रशिक्षक के रूप में भावना गुप्ता ने मेहंदी और ब्यूटीशियन का, केशव शर्मा ने नृत्य, राधेश्याम राव ने हारमोनियम और ढोलक तथा मंजू राठौर और मधु प्रजापत ने सिलाई का प्रशिक्षण देकर उनको आगे भी इसमें भाग लेते रहने की प्रेरणा दी। अनिल कुमार गौतम ने सभी को अपने क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अंत में शिविर संचालक इंद्रराज दाधीच ने प्रत्येक संभागी को प्रमाण पत्र वितरण कर सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां के पर्यावरण शिक्षा अभियान के अंतर्गत 7 जुलाई को स्काउट गाइड ने सीताबाड़ी पहुंचकर जन जागरण रैली निकाली। सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा ने बताया कि इससे पूर्व सभी स्काउट गाइड की नगर पालिका सभागार में जल एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता नायब तहसीलदार महेंद्र सिंह ने जल संरक्षण पर चर्चा करते हुए कहा कि जल की प्रत्येक बूँद हमारे लिए कीमती है। इसे बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। औद्योगीकरण एवं शहरीकरण के कारण कुओं तथा तालाबों में लगातार कमी होती जा रही है और भूमिगत जल का स्तर गिर रहा है जो भविष्य में जल संकट का कारण बन सकता है। नायब तहसीलदार सिंह ने कहा कि जल का संरक्षण करने के लिए लोगों को जागरूक भी करना चाहिए ताकि लोग पानी की एक–एक बूँद को बचाना सीख जाए। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी नागरमल गुर्जर ने वर्षा जल के संरक्षण की आवश्यकता

जताई। श्री गुर्जर ने स्काउट गाइड को संबोधित करते हुए कहा कि वर्षा जल के सरंक्षण से पारंपरिक जल संसाधनों पर निर्भरता को कम किया जा सकता है। छतों, जलग्रहण क्षेत्रों और अन्य सतहों से वर्षा जल को इकट्ठा करके, हम इन पारंपरिक स्रोतों पर मांग को कम करते हैं, जिससे उन्हें फिर से भरने और अपने पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने में मदद मिलती है। संगोष्ठी के उपरांत स्काउट गाइड ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर रैली निकाली। रैली को नायब तहसीलदार महेंद्र सिंह, अधिशासी अधिकारी नागरमल गुर्जर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली नगर पालिका से सीताबाड़ी गुरुद्वारा, लक्ष्मण कुंड, बाल्मिक मंदिर होते हुए जनजाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र पहुंची। जनजाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र पर सभी स्काउट गाइड ने श्रमदान कर साफ सफाई की।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां के तत्वावधान में राष्ट्रीय ग्रीन कोर योजना के अंतर्गत पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के तहत 1 जुलाई को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय इकलेरा में स्वस्थ जीवनचर्या विषय पर संगोष्ठी का आयोजन प्रधानाचार्य नदीम अंसारी के मुख्य आतिथ्य में किया गया संगोष्ठी में सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा ने बालक बालिकाओं को शारीरिक मानसिक रूप से हमेशा स्वस्थ रहने के कई टिप्स बताते हुए उन्हें हमेशा स्वस्थ रहने का संकल्प दिलाया। बालक बालिकाओं को बताया कि स्काउट संगठन में हमेशा स्वस्थ रहने हेतु कई तरह के आयोजन किए जाते

हैं। सी.ओ. गाइड सुनीता मीणा ने स्काउट आंदोलन में योगा, सूर्य नमस्कार एवं बेडेन पावेल द्वारा बताए गए व्यायाम की जानकारी देते हुए स्वस्थ रहने हेतु इनको उपयोगी बताया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य नदीम अंसारी ने सभी बालक बालिकाओं को प्रतिदिन योग व सूर्योदय से पहले उठने हेतु संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का संचालन स्काउट मास्टर दिनेश नागर ने किया। श्री चित्तौड़ा ने बताया कि पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिदिन अलग–अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक के उपभोग पर अंकुश, पौधारोपण कार्यक्रम, स्वच्छता कार्यक्रम आदि संपन्न होंगे।

उदयपुर

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द के समीप स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एमडी में नेशनल ग्रीन कोर द्वारा संचालित इको क्लब सदस्यों ने सघन वृक्षारोपण कर शिक्षा विभाग द्वारा चलाई जा रही हरित क्रांति मे अपना योगदान दिया। विद्यालय के स्काउटर एवं इको

क्लब प्रभारी धर्मेन्द्र गुर्जर ने बताया की गाइडर निशा जांगीड़ एवं गाइडर सुमनलता लाहोटी के नेतृत्व में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एमडी की गाइड कम्पनी एवं स्काउट ट्रुप सदस्यों ने विद्यालय परिसर, खेल मैदान, टंकी परिसर एवं अन्य स्थानों पर नीम, पीपल, पारस पीपल, कनेर, कनज, शीशम, आशापाल आदि के पौधे रोप कर उनकी सार सम्भाल की जिम्मेदारी लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का जन–हित का कार्य किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं पंचायत शिक्षा अधिकारी भानु कुमार वैष्णव ने बताया की गाइड कम्पनी एमड़ी की गाइड पुनम कुमावत, हेमलता कुमावत, ट्विंकल कुमावत, सावित्री गुर्जर, निर्मला कुमावत, तरूण कुमावत, प्रवीण कुमावत के साथ स्काउट ग्रुप ने पौधारोपण में सहयोग प्रदान किया। इको क्लब प्रभारी श्री गुर्जर ने बताया की राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड एवं भारत सरकार द्वारा संचालित नेशनल ग्रीन कोर द्वारा निजी एवं राजकीय विद्यालयों में इको क्लब सदस्यों द्वारा जनहित में जुलाई एवं अगस्त माह में पूरे राजस्थान में हजारों की तादाद में पेड़ पौधें लगाकर पंर्यावरण संरक्षण की मुहीम में अपना योगदान देंगे।

◈ भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार 11 जुलाई 2024 को 'विश्व जनसंख्या दिवस' पर द विजन एकेडमी स्कूल उदयपुर द्वारा जन चेतना रैली व पोस्टर मेकिंग का कार्यक्रम ग्रुप स्तर पर किया गया।

कार्यक्रम में स्काउट गाइड कब बुलबुल बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। निकाली गई जन चेतना रैली को विद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रतिमा सामर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बच्चों ने विश्व जनसंख्या दिवस पर पोस्टर बनाएं व कविताएं पढ़ी। अध्यापकों ने सभी बालक–बालिकाओं को जनसंख्या दिवस के महत्व के बारे में समझाया। स्काउट मास्टर उमेश चंद्र पुरोहित एवं गाइड कैप्टिन शिप्रा चतुर्वेदी व बुलबुल की फ्लॉक लीडर तरुणा शर्मा ने जनसंख्या दिवस पर अपने विचार व्यक्त किये।

◈ भारत स्काउट व गाइड, 53वॉं उदय ओपन रोवर क्रू भुवाणा, स्थानीय संघ बडगांव, जिला उदयपुर द्वारा विशेष योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय रोवर्स ने सक्रिय भागीदारी दिखाई। इस आयोजन में 15 रोवर्स और एक रोवर लीडर ने शामिल होकर विभिन्न प्रकार के योगासन और प्राणायाम किये, जिससे उन्होंने अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुधारा। इस उपक्रम में रोवर्स ने यह संकल्प लिया कि वे अपने समुदाय में पेड़ लगाएंगे और उनकी

देखभाल भी करेंगे, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, एक सेमिनार का आयोजन भी किया गया, जिसमें पेड़ों के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाई गई। इस आयोजन के मुख्य उद्देश्यों में योग के महत्व को समझाना, पर्यावरण संरक्षण को लेकर समुदाय को समर्थन प्रदान करना और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए जागरूकता फैलाना शामिल था।

- उदय ओपन रोवर क्रू भुवाणा, बडगांव, जिला उदयपुर और श्री बालाजी सेवा समिति द्वारा 23 जून 2024 को निरंजनी अखाड़ा श्री हनुमान मंदिर, फतेह स्कूल के सामने, में परम पूज्य ब्रह्मलीन महंत श्री श्री 108 श्री सुरेश गिरी जी महाराज की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 181 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया, जो मानवता के प्रति एक अद्वितीय सेवा का प्रतीक है। शिविर के मुख्य अतिथि विश्व हिंदू परिषद के महानगर मंत्री अशोक प्रजापत थे, जबकि शिविर की अध्यक्षता बजरंग दल के जिला संयोजक उदयपुर महानगर श्री ललित लोहार ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना महिला विंग जिला अध्यक्ष उदयपुर श्रीमती कृष्णा राठौर भी उपस्थित रहीं। इस पुनीत अवसर पर वर्तमान महंत श्री अमर गिरी जी महाराज ने रक्तदान कर शिविर का शुभारंभ किया। शिविर संयोजक राजेश तिवारी ने बताया कि रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करने के लिए रक्तदाता युवा वाहिनी के रोहित जोशी, कपिल दया, रोवर लीडर सुरेश प्रजापत, राज्य सरकार द्वारा रक्तदान सेवा में सम्मानित सहयोग सेवार्थ फाउंडेशन के संस्थापक श्री गोपाल विजयवर्गीय, बालाजी सेवा समिति के महेंद्र नैनावा, शंकर सनाढ्य, रामकुमार प्रजापत, सुनील पुरबीया, भूपेंद्र भाटी, सुनील कटारा, राजश्री वर्मा और आरसीए के पीयूष चौधरी एवं उनकी टीम का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। शिविर में पीएमसीएच ब्लड बैंक की टीम के डॉ. मुकेश मलिक, अनिल सहदेव, जुल्फिकार अली, प्रियंवदा सिंह, लवीना अग्रवाल, राजेश सिंह, शिवाय दी, बड़ा सिंह, नवीन अग्रवाल और राजेंद्र सिंह ने अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर के दौरान रक्तदाताओं की संख्या और उनके उत्साह ने यह साबित कर दिया कि श्री बालाजी के भक्त न केवल अपने धार्मिक कर्तव्यों का पालन करते हैं, बल्कि मानवता की सेवा में भी अग्रणी रहते हैं।

- भारत स्काउट व गाइड, उदय ओपन रोवर क्रू भुवाणा, स्थानीय संघ बड़गांव, उदयपुर के तत्वावधान में 36वें रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर सनातन मंदिर, शक्ति नगर में संपन्न हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि विधायक ताराचंद जैन ने शिविर का उद्घाटन किया और रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला। शिविर में विभिन्न समुदायों के लोगों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और रक्तदान किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर भारत स्काउट संगठन के

प्रमुख सदस्यों ने अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दीं। रोवर लीडर सुरेश कुमार प्रजापत ने शिविर का संचालन किया, जबकि सहायक सचिव डालचंद सुथार, देवीलाल गमेती, रोवर वीरेंद्र सिंह चुंडावत, मंगल सिंह और पुष्पराज सिंह ने आयोजन को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया। शिविर के दौरान कुल 48 यूनिट रक्त संग्रह किया गया, जो जरूरतमंद मरीजों के इलाज के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। विधायक ताराचंद जैन ने सभी रक्तदाताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया और उनके इस निःस्वार्थ योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, 'रक्तदान सबसे बड़ा दान है और यह मानवता की सेवा का सबसे उत्तम उदाहरण है।' इस आयोजन के बारे में जानकारी क्रू के पूर्व अध्यक्ष दीपलाल मेनारिया और सीनियर रोवर मुकेश कुमावत ने दी। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के रक्तदान शिविर समय–समय पर आयोजित किए जाते हैं ताकि जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाई जा सके। शिविर का समापन सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए किया गया और भविष्य में इस प्रकार के और भी शिविर आयोजित करने की योजना बनाई गई।

जीवन को संवारती है पुस्तकें

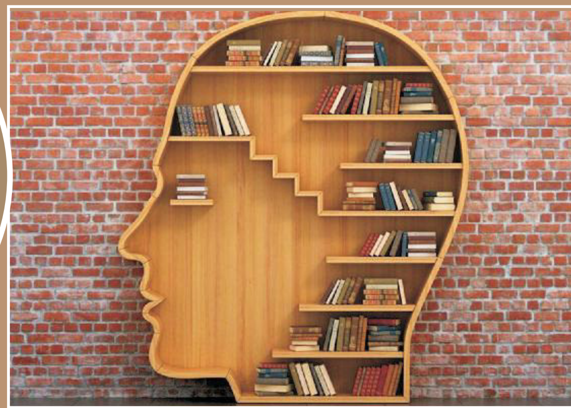

प्रस्तोता - तुषार कामरा

पुस्तकों का हमारे जीवन में बड़ा महत्व है। बचपन से ही हमें इन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है। वर्णमाला, बारहखड़ी आदि सब हम पुस्तकों के माध्यम से ही सीखते हैं। ऐसा मानते हैं कि पुस्तकों में विद्या की देवी माता सरस्वती का वास होता है, इसलिए कई बार पुस्तकों की पूजा भी की जाती है। वास्तव में पुस्तकों से हमें ज्ञान का वह भंडार मिलता है, जो हमें अन्यत्र नही मिल सकता।

पुस्तकें कई प्रकार की होती है – जैसे पाठ्यक्रम की पुस्तकें, सामान्य ज्ञान की पुस्तकें, मनोरंजक पुस्तकें, आध्यात्मिक ज्ञान की पुस्तकें आदि। पुस्तकें कोई सी भी हो, हमें विचारों की एक ऐसी कड़ी से बांध देती है, जिसमें हम थोड़ी देर के लिए विचरण करते हैं और यह विचरण कैसा है, कितनी देर का है, यह निर्भर करता है, पुस्तक लिखने वाले लेखक पर। लेखन करते समय लेखक भावनाओं की जितनी गहराई में उतरता है, पढ़ने वाला भी भाव की उसी गहराई का अनुभव करता है । हमें वही साहित्य रुचिकर लगता है, जो हमारे दिल की गहराइयों को छूता है और हमें कुछ अच्छा सोचने के लिए व कुछ अच्छा करने के लिए विवश कर देता है।

पुस्तकों में विषय के अनुसार वातावरण, परिवेश आदि का चित्रण होता है। साहित्य के कारण ही हम अपने पुरातन समय का ज्ञान प्राप्त कर पाते हैं। यदि पुस्तकें न होती तो समस्त प्राचीन स्मृतियां लुप्त हो गयी होती। इसलिए दुर्लभ व प्राचीन ज्ञान की रक्षा करने के लिए अनेक लोगो ने अपने प्राण तक गंवा दिए। अंग्रेजो ने जब भारत को गुलाम बनाया तो यहाँ की संस्कृति के मूल आधार साहित्य को ही मिटाने के उपाय उन्होंने सर्वप्रथम किये। उसे विविध तरीकों से जलाकर समाप्त करने के उपाय किये गए, ताकि लोग यहाँ की गौरवपूर्ण संस्कृति को जान न सकें, उसे विस्मृत कर दें।

अच्छा साहित्य वो होता है, जिसे पढ़ने के बाद हम जो पहले थे, उसमें कुछ अंतर महसूस करते हैं, जीवन में कुछ बेहतर बदलाव महसूस करते हैं। उससे हमे समय समय पर प्रेरणा मिलती है, उससे सम्बन्धित अच्छे विचार भी मन में बार बार आते हैं। अच्छे साहित्य को पढ़ने से हम अपने जीवन की भटकन से उभरते हैं और सही मार्ग पर आ जाते हैं। इसे यों भी कह सकते है कि अच्छा साहित्य हमारे जीवन का पथ प्रदर्शक होता है, हमें सही मार्ग दिखलाता है।

संसार में बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जो समय की कमी के बावजूद बौद्धिक व साहित्यिक पुस्तकों को पढ़ते हैं। इसका प्रभाव यह होता है कि इससे उनमें सतत नए नए विचार आते हैं, अच्छे विचारो से उनका संपर्क होता है, अच्छी योजनाएं भी उनके मन में आसानी से आ जाती है, उनके मन में इससे संवेदनशीलता, करुणा की लहरें जन्म लेती है, जो सही निर्णय लेने में उनकी मदद करती है।

पुस्तकों से जुड़ी कई घटनाएं ऐसी हैं, जो बताती है कि इनसे कई लोगों का जीवन सुरक्षित हुआ है, जीवन संवरा है और उनका जीवन एक श्रेष्ठ पथ की ओर अग्रसर हुआ है। इसलिए मस्तिष्क में नकारात्मक चिंतन हावी हो, तो उसकी दिशा परिवर्तित करने के लिए अच्छे साहित्य की पढ़ना चाहिए, क्योंकि अच्छे साहित्य में न केवल पढ़ने योग्य विचार होते हैं, बल्कि उसमें वह दिव्य ऊर्जा भी होती है, जो हमारे चिंतन की शैली को परिवर्तित करके हमें नवजीवन प्रदान करती है।

आज इंटरनेट का जमाना है, इंटरनेट पर ही कई तरह का ज्ञान उपलब्ध है, लेकिन इंटरनेट कभी भी साहित्य की जगह नहीं ले सकता। यह सुविधाजनक अवश्य है, घर बैठे हम किसी भी तरह के ज्ञान से इंटरनेट द्वारा रूबरू हो सकते है, लेकिन साहित्य पढ़ने से, इसकी छुअन से, पन्नों में अंकित विषय सामग्री की खुशबू से जो सुकून शांति मिलती है, तृप्ति मिलती है, वह इंटरनेट पर पढ़ने से नही मिल पाती।

पुस्तक साहित्य से सभी का एक गहरा रिश्ता बना हुआ है, जो उन्हें उनके बचपन से मिला है, बड़े होने पर, जीवन की समस्याओं से जूझने पर यह रिश्ता थोड़ा कमजोर पड़ जाता है, लेकिन किसी न किसी माध्यम से पढ़ने की प्रक्रिया से लोग स्वयं को जोड़े रखते हैं, तभी तो भारत में लोग अखबार पढ़ते है, जिसमें देश दुनिया की रोमांचक खबरें होती है, ताजा समाचार होते है। यदि पढ़ने के इस शौक को थोड़ा और गंभीर बना लिया जाये तो जीवन में आश्चर्यजनक परिवर्तन देखे जा सकते हैं, क्योंकि साहित्य हमारे विचारों को, हमारे जीवन को संवारने में अपनी अहम भूमिका निभाता है। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में साहित्य पढ़ने का, स्वाध्याय करने का नियमित क्रम अपनाना चाहिए, क्योंकि ये हमारे विचारों के प्रवाह को संतुलित करते हैं, नकारात्मक विचारों से सुरक्षा प्रदान करते हैं, मन में अच्छे विचारों का एक ऐसा कवच बनाते हैं, जिसे भेदकर नकारात्मक विचार प्रवेश नहीं कर पाते और जीवन को एक नए ढंग से संवारते हैं।

रोवर लीडर

सूरतगढ़ ओपन रोवर क्रू, सूरतगढ़
श्रीगंगानगर

ग्रीष्मावकाश का सदुपयोग - अभिरूचि शिविर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड द्वारा वर्ष 1974 से लगातार प्रतिवर्ष ग्रीष्मावकाश के सदुपयोग व छात्र छात्राओं को स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से अभिरूचि एवं लघु उद्योग प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। ये शिविर विद्यालयों के ग्रीष्मावकाश के दौरान संचालित किये जाते हैं, जिनमें विभिन्न रोजगारोन्मुखी विषयों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 17 मई से 26 जून तक सम्पूर्ण प्रदेश में मण्डल, जिला, स्थानीय संघ (ग्रामीण व शहरी) व ग्रुप स्तर पर कुल 136 अभिरूचि शिविर संचालित किये गये। इन शिविरों में 14162 सम्भागियों ने भाग लेकर कम्प्यूटर, सिलाई, कढ़ाई, वाद्ययंत्र, इंटीरियर डेकोरेशन, सॉफ्ट टॉयज, पेंटिंग, डांस, इंग्लिश स्पीकिंग, तैराकी, मेहन्दी, ब्यूटीशियन, जूड़ो कराटे, कुकिंग, जल सेवा, संगीत, बिजली का कार्य, केन वर्क, साज सज्जा, जरी वर्क, बंधेज, लघु उद्योग, इलेक्ट्रोनिक्स आदि विषयों का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

क्र.सं.	जिला	स्तर	अभिरूचि शिविर केन्द्र का नाम	संचालक	संभागी
अजमेर मण्डल					
1	अजमेर	जिला स्तर	रा.ओसवाल जैन उ.मा.वि.पट्टी कटला	श्रीमती ओमकुमारी चौहान, सी.ओ. गाइड	75
2		स्थानीय संघ स्तर	महात्मा गांधी नया शहर किशनगढ़	श्री विरेन्द्र कुमार शर्मा	65
3		ग्रुप स्तर	रा.बा.उ.मा.वि. खरवा	श्रीमती लीना संतराम	180
4	भीलवाड़ा	जिला स्तर	रा.बा.उ.मा.वि. गुलमण्डी	श्री विनोद कुमार घारू, सी.ओ. स्काउट	92
5		स्थानीय संघ स्तर	केशव प.सी.सै. स्कूल शाहपुरा, भीलवाड़ा	श्रीमती उर्मिला पाराशर, सचिव शाहपुरा श्री नवनीत सिंह राणावत (केशव सी.से.स्कूल शाहपुरा)	65
6		ग्रुप स्तर	कुडोज किड्स स्कूल भीलवाड़ा	श्रीमती मधुबाला यादव संस्था प्रधान, कुडोज किड्ज स्कूल भीलवाड़ा श्री हंसराज यादव	45
7	नागौर	जिला स्तर	रा.बा.उ.मा.वि. गिनानी, नागौर	श्रीमती मीनाक्षी भाटी, सी.ओ. गाइड	106
8		स्थानीय संघ स्तर	पी.एम. श्री रा.उ.प्रा.वि. मारवाड़ मूण्डवा	श्री गजेन्द्र गोपाला	132
9		ग्रुप स्तर	रा.उ.मा.वि. गोविन्दी, नावां	श्री मोहन सिंह सेवदा	89
10		ग्रुप स्तर	रा.उ.मा.वि. रसादन, कुचामन सिटी	श्री रामेश्वर राम	65
11		ग्रुप स्तर	कुचेरा		102
12		स्थानीय संघ स्तर	कुचामन		119
13	टोंक	जिला स्तर	रा.दरबार उ मा वि. टोंक	श्रीमती आचू मीणा, सी.आ. गाइड	163
14		स्थानीय संघ स्तर (निवाई)	रा.उ.मा.वि. भरतला	श्री गिरिराज गुर्जर, सहा.कमिश्नर	104
15		स्थानीय संघ स्तर (देवली)	रा.उ.मा.वि. दूनी	श्री भँवरलाल कुम्हार, सहा.कमि.	122
16		स्थानीय संघ स्तर (देवली)	पुस्तकालय बीआरसीएफ कार्यालय देवली	श्री द्वारका प्रसाद प्रजापत	110
17		स्थानीय संघ स्तर (लाम्बाहरिसिंह)	रा.बा.उ.मा.वि. लाम्बाहरिसिंह	श्रीमती वीणा जाटोलिया, सचिव लाम्बाहरिसिंह	72
18		ग्रुप स्तर (देवली)	रा.उ.मा.वि. चाँदली देवली	श्री चन्द्रप्रकाश माहेश्वरी, सहा.कमिश्नर	76

अजमेर : जिला स्तरीय- 4 , स्थानीय संघ स्तर-8, ग्रुप स्तर-6, कुल- 18 कुल संभागी - 1782

भरतपुर मण्डल

1.	भरतपुर	मण्डल स्तर	मण्डल मुख्यालय, भरतपुर	श्रीमती सीमा रिजवी	90
2		जिला स्तरीय	सनातम धर्म सी सै स्कूल भरतपुर	श्री भानूप्रताप सिंह	160
3		ग्रुप स्तर	वेदान्ता सी सै विद्यालय भरतपुर	श्री राकेश गर्ग	100
4	धौलपुर	जिला स्तर	रा.बा.उ.मा. विद्यालय धौलपुर	श्री मनोज कुमार शर्मा	84
5		स्थानीय संघ स्तर	रा.उ.मा. विद्यालय मनियां	श्री ओम प्रकाश लोधा	68
6	करौली	जिला स्तर	रा.बापू उ.प्रा. विद्यालय करौली	श्री अनिल कुमार गुप्ता	150
7		स्थानीय संघ स्तर (करौली)	मोंटेश्वरी इंग्लिश मिडियम स्कूल करौली	श्री मुकेश कुमार सारस्वत	70
8		स्थानीय संघ स्तर (महावीर जी)	महात्मा गांधी स्कूल महावीर जी	श्री किशनदास	75
9		ग्रुप स्तर	सूर्योदय पब्लिक स्कूल करौली	श्री बृजकिशोर भारद्वाज	38
10	सवाई माधोपुर	जिला/मण्डल स्तर	जिला मुख्यालय सवाईमाधोपुर	श्रीमती दिव्या	122
11		स्थानीय संघ स्तर (सवाईमाधोपुर)	मलारना डूंगर	श्री हारून अहमद	85
12		ग्रुप स्तर	मोन्टेशवरी पब्लिक स्कूल हाउसिंग बोर्डस	श्री श्री महेश सेजवाल	45

भरतपुर : जिला स्तरीय- 5, स्थानीय संघ स्तर-4, ग्रुप स्तर-3 कुल-12 कुल संभागी 1087

बीकानेर मण्डल

1	बीकानेर	जिला स्तर	रा.बांठिया बा.उ.मा. विद्यालय भीनासर	श्री जसवन्तसिंह राजपुरोहित	125
2		स्थानीय संघ स्तर	रा.बा.उ.मा.विद्यालय गुरूद्वारा बीकानेर	श्रीमती ज्योतिरानी महात्मा	142
3		ग्रुप स्तर	रा.बा.उ.मा. विद्यालय बाना	श्री रामकृष्ण पन्नीवाल	48
4	झुंझुनूं	जिला स्तर	जिला मुख्यालय झुंझुनूं	श्री महेश कुमार कालावत	217
5		स्थानीय संघ स्तर (बुहाना)	विश्व भारती सी.सै.स्कूल, सिंघाना	श्रीमती अनुकम्पा अरड़ावतिया	100
6		स्थानीय संघ स्तर (गुढ़ागौड़जी)	ब्राईट यूचर एकेडमी, भौड़की	श्री मनोहर लाल रणवां	110
7		स्थानीय संघ स्तर (खेतड़ी)	जवाहर मेमोरियल स्कूल, मानोता खुर्द	श्री जितेन्द्र कुमार	100
8		स्थानीय संघ स्तर (नवलगढ़)	महात्मा गांधी रा. विद्यालय झाझड़	श्री दशरथ लाल सैनी	85
9		स्थानीय संघ स्तर (चिड़ावा)	म.गांधी रा. विद्यालय मालियों की बगीची	श्री निरंजन लाल शर्मा	80
10		ग्रुप स्तर	ज्योति विद्यापीठ सी.सै. स्कूल, बगड़	श्री बंशीलाल	98
11		ग्रुप स्तर	बाल निकेतन उ मा विद्यालय पिलानी	श्री मनोज शर्मा	80
12	हनुमानगढ़	जिला स्तर	सरस्वती कन्या उ.मा.विद्यालय हनुमानगढ़ जं.	श्री भारत भूषण	152
13		स्थानीय संघ स्तर (संगरिया)	किसान शहीद स्मारक खालसा उ.मा.वि.	श्री ओमप्रकाश कोटी	118
14		ग्रुप स्तर(संगरिया)	राज.रा.भा.स्का.गा. स्थानीय संघ प्रशिक्षण केन्द्र-59 आर.डी हैड संगरिया	श्री लक्ष्मणराम	52
15	श्रीगंगानगर	जिला स्तर	सरस्वती उ.मा.विद्यालय चहल चौक	श्रीमती मोनिका यादव	144
16		स्थानीय संघ स्तर	रा.बा.उ.मा. विद्यालय पदमपुर	श्री भागीरथ तंवर	158
17		ग्रुप स्तर	जी.बी.टी.सी.सै. स्कूल सादूलशहर	श्री देवेन्द्र राजपूत	113
18	चूरू	जिला स्तर	मेरी गोल्ड स्कूल चूरू	श्री महीपाल सिंह तंवर	66
19		स्थानीय संघ स्तर	राउमावि नं.4 सलामपुरिया कुआं सरदारशहर	श्री बाबू लाल स्वामी	60
20		स्थानीय संघ स्तर	श्री राम विद्यालय राजल देसर रतनगढ़	श्री ओम प्रकश मेघवाल	40

बीकानेर : जिला स्तरीय-5, स्थानीय संघ स्तर-10, ग्रुप स्तर-5, कुल-20 कुल संभागी 2088

जयपुर मण्डल

1	जयपुर	मण्डल/जिला स्तर	मण्डल मुख्यालय बनीपार्क, जयपुर	श्रीमती ऋतु शर्मा	240

2		स्थानीय संघ स्तर	राबाउमा विद्यालय कोटपुतली	श्री कमलेश कुम्हार	145
3		स्थानीय संघ स्तर	बालिका उ.मा.विद्यालय वैदिक कन्या जयपुर	श्री जगदीश नारायण शर्मा	78
4		स्थानीय संघ स्तर	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय फागी	श्री रामफूल मीणा	130
5		स्थानीय संघ स्तर	रा.उ.मा. विद्यालय खोराबीसल जयपुर	श्री रघुनन्दन शर्मा	95
6		स्थानीय संघ स्तर	गणपति स्कूल झोंटवाड़ा	श्री पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़	70
7		ग्रुप स्तर	महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय बैनाड़	श्री अशोक कुमार शर्मा	75
8		ग्रुप स्तर	अग्रसेन विद्या मन्दिर जयपुर	मो. इरशाद	125
9		ग्रुप स्तर	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय माधोगढ़	श्री शिवशंकर प्रतापति	52
10	अलवर	जिला स्तर	रा.उ.मा. विद्यालय शिवाजी पार्क अलवर	श्री राजेंद्र प्रसाद मीना	142
11		स्थानीय संघ स्तर	मुस्कान पब्लिक स्कूल पहेल	श्री महेंद्र सिंह चौहान (ए.एल.टी)	76
12		ग्रुप स्तर	राजगुप्ता सभागार अलवर	श्रीमती राजगुप्ता डी.टी.सी.	82
13		ग्रुप स्तर	चकोलिया भुरूयालय खेरथल	श्री राजेंद्र प्रसाद सिंह चौधरी	56
14	दौसा	जिला स्तर	महात्मा गांधी राज.विद्यालय दौसा खुर्द दौसा	श्री रामावतार शर्मा	64
15		जिला स्तर	रा.बा.उ.मा. विद्यालय रामकुण्ड दौसा	श्री संजीव रावत	77
16		स्थानीय संघ	रा.बा.उ.मा. विद्यालय बांदीकुई	श्रीमती सविता मीना	90
17		स्थानीय संघ	रा.बा.उ.मा. विद्यालय महवा	श्री हरेन्द्र सिंह राजपूत	85
18		ग्रुप स्तर	गायत्री विद्या मंदिर बसवा	श्री मुकेश कुमार शर्मा	50
19	सीकर	जिला स्तर	पीएम श्रीराधाकृष्ण मारू रा.बा.उ.मा.वि सीकर	श्री बसन्त कुमार लाटा	229
20		स्थानीय संघ स्तर	श्रीमती जमुना देवी पांडे रा.बा.उ.मा.वि. पाटन	श्री दिलीप कुमार तिवाडी	126
21		स्थानीय संघ स्तर	बा.आ.विद्या मन्दिर सीकर रोड,लक्ष्मणगढ़	श्री प्यारे लाल नायक	86
22		स्थानीय संघ स्तर	महात्मा गान्धी रा.वि. दांता	श्री भवानी शंकर कुम्हार	105
23		स्थानीय संघ स्तर	श्री जगन्नाथ दिवान रा.उ.मा.वि पाटन	श्रीमती निर्मला देवी	100
24		स्थानीय संघ स्तर	रा.बा.उ.मा. विद्यालय रींगस	श्री विष्णु कुमार जोशी	124
25		स्थानीय संघ स्तर	श्री कन्हैयालाल ताम्बी एवं शहीद सीताराम रा.उ.मा.विद्यालय	श्री पवन कुमार शर्मा	152
26		स्थानीय संघ स्तर	रा.उ.मा. विद्यालय खण्डेला	श्री जगदीश प्रसाद दायमा	151

जयपुर : जिला स्तरीय-5, स्थानीय संघ स्तर-8, ग्रुप स्तर-13, कुल-26 कुल संभागी 2805

जोधपुर मण्डल

1	जोधपुर	जिला स्तर	कोणार्क उ.मा. विद्यालय कमला नेहरू नगर	श्री पारसमल	97
2		ग्रुप स्तर	रा.उ.मा. विद्यालय मालियों का बास फलौदी	श्री रतन सिंह	55
3		स्थानीय संघ स्तर	रा.उ.मा. विद्यालय चान्देलाव.बिलाड़ा	श्री ओम सिंह	108
4	बाड़मेर	जिला स्तर	अन्तरीदेवी रा.बा.उ.मा. विद्यालय बाड़मेर	योगेन्द्रसिंह	57
5		स्थानीय संघ स्तर	रा.वा.उ.मा. विद्यालयबायतु,	जेहाराम चौधरी	105
6	जैसलमेर	जिला स्तर	रा.उ.मा. विद्यालय कुम्हारपाड़ा	सुश्री कृतिका	81
7		स्थानीय संघ स्तर	सरस्वती शि. संस्थान, नाचना	श्री ओम भारती	35
8		ग्रुप स्तर	महा.गांधी रा. विद्यालय सम	श्री नन्दलाल	28
9	जालोर	जिला स्तर	महा.गांधी रा. विद्यालय हनुमानशाला	श्री सवाई सिंह	23
10		स्थानीय संघ स्तर	स्काउट भवन सांचौर	श्री लादूराम भादू	74
11	पाली	जिला स्तर	मधुरम विद्या मंदिर न्यू हा, बोर्ड, पाली	श्री दीपक जावा	244
12		जिला स्तर	शारदा विद्या मंदिर, राजेन्द्र नगर	श्री दौलतसिंह	128
13		स्थानीय संघ स्तर	रा.उ.मा. विद्यालय जोड़किया, देवली आ.	श्री मीठालाल	288
14	सिरोही	जिला स्तर	रा.उ.मा. विद्यालय विशिष्ठ, सिरोही	श्री एम.आर.वर्मा	110
15		स्थानीय संघ स्तर	रा.उ.प्रा. विद्यालय कांटल	श्री मूल सिंह भाटी	112

जोधपुर : जिला स्तरीय-7, स्थानीय संघ स्तर-6, ग्रुप स्तर-2, कुल-15 कुल संभागी 1545

कोटा मण्डल

1	कोटा	जिला स्तर	महात्मा गाँधी रा. विद्यालय बोरखेड़ा कोटा	प्रीति कुमारी जसराज सिंह गुर्जर	151
2		स्थानीय संघ स्तर	प्रगति सी.सै. शिक्षण संस्था सेक्टर–07, केशवपुरा,कोटा	बृजसुन्दर मीना, जोधराज राठौर	95
3		स्थानीय संघ स्तर	डायमंड सी.सै.स्कूल, विनोभा भावे नगर कोटा	श्री ब्रजसुन्दर मीना,	94

				श्री इन्द्रराज दाधिच	
4		स्थानीय संघ स्तर	रा.उ.मा. विद्यालय नयागॉव कोटा	श्री ब्रजसुन्दर मीना, श्री पप्पू लाल	115
5		ग्रुप स्तर	रा.उ.मा.वि. आवासन मंडल,केशवपुरा कोटा	श्री प्रकाश जायसवाल	120
6	बारां	जिला स्तर	महात्मा गाँधी रा.वि. पुराना,अस्पताल बांरा	श्रीमती सुनीता मीणा, शकीलखान	112
7		स्थानीय संघ स्तर	रा.उ.मा. विद्यालय भीमगंज वार्ड बांरा	श्री भैरूलाल वर्मा	123
8		ग्रुप स्तर	जय श्री शारदे मॉ बाल विद्यालय बांरा	श्री दिनेश नागर	72
9	बून्दी	जिला स्तर	महात्मा गाँधी रा. विद्यालय देवपुरा,बून्दी	श्रीमती मधु कुमारी	110
10		स्थानीय संघ स्तर	स्थानीय संघ पेच ग्राउण्ड, बून्दी	श्री विश्वजीत जोशी	65
11		स्थानीय संघ स्तर	रा.उ.मा. विद्यालय केशोरायपाटन, बून्दी	श्री चन्द्रप्रकाश शर्मा	59
12	झालावाड़	जिला स्तर	स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय	श्री रामकृष्ण शर्मा	110
13		स्थानीय संघ स्तर	रा.उ.मा. विद्यालय भवानीमंडी	श्री राजू गुर्जर	251
14		स्थानीय संघ स्तर	रा.उ.प्रा. विद्यालय सुनेल	श्री सुवालाल जाट	115
15		स्थानीय संघ स्तर	रा.बा.उ.मा. विद्यालय अकलेरा	श्री चांदमल	105
16		स्थानीय संघ स्तर	रा.बा.उ.मा. विद्यालय बकानी	श्री बद्रीलाल बारबर	135
17		ग्रुप स्तर	रा.बा.उ.मा. विद्यालय चौमहला	कु. प्रियंका	108
18		ग्रुप स्तर	स्वामी वि.रा.मॉ. स्कूल डग	श्री कैलाश नाथ योगी	141
कोटा : जिला स्तरीय-4, स्थानीय संघ स्तर-10, ग्रुप स्तर-4, कुल-18				**कुल संभागी**	**2081**

उदयपुर मण्डल

1	उदयपुर	जिला स्तर	द विजन ऐकेडमी उदयपुर	श्रीमती विजय लक्ष्मी वर्मा	150
2		ग्रुप स्तर	राजकीय अग्रसेन बा.उ.मा.विद्यालय कानोड़	श्री भूपेन्द्र कुमार जोशी	180
3	बांसवाड़ा	जिला स्तर	रा.बा.उ.मा.विद्यालय नई आबादी	श्री दीपेश शर्मा	121
4		स्थानीय संघ स्तर	रा.उ.मा.विद्यालय कूपडा	श्रीमती शबनम शेख	198
5		स्थानीय संघ स्तर	रा.उ.प्रा.विद्यालय रावला अरथूना	श्री राजमल ताबियार	100
6		स्थानीय संघ स्तर	किंग्स स्कूल पालोदा	श्री राजवर्धन सिंह चौहान	145
7		स्थानीय संघ स्तर	रा.उ.प्रा.विद्यालय नवीन कुशलगढ़	श्री दिग्पाल सिंह राठौड़	65
8		ग्रुप स्तर	गढ़ी परतापुर		30
9	चित्तौड़गढ़	जिला स्तर	म.गा.रा.विद्यालय चित्तौड़गढ़	श्री चन्द्रशंकर श्रीवास्तव	60
10		स्थानीय संघ स्तर	रा.बा.उ.मा. विद्यालय चित्तौड़गढ़	श्री पंकज दशोरा	40
11		स्थानीय संघ स्तर	औदिच्य धर्मशाला बड़ी सादड़ी	श्री चन्द्रकांत शर्मा	200
12		ग्रुप स्तर	म.गां.रा. विद्यालय रावतभाटा	श्री विद्याधर दशोरा	50
13		ग्रुप स्तर	श.मे.नटवरसिंह शक्तावत राउमावि चित्तौड़गढ़	श्री अखिलेश श्रीवास्तव	40
14		ग्रुप स्तर	स्वामी विवेकानन्द रा.मॉडल स्कूल भदेसर	श्री हिमांशु जानी	45
15		ग्रुप स्तर	रा.बा.उ.मा. विद्यालय स्टेशन गंगरार	श्री भूरालाल शर्मा	50
16	डूंगरपुर	जिला स्तर	रा.महारावल उ.मा.विद्यालय डूंगरपुर	श्री नानालाल अहारी	127
				श्री भैरूलाल कटारा	
17		स्थानीय संघ स्तर	म.गा.रा. विद्यालय नं.1 सागवाडा	श्री मोहनलाल पाटीदार	110
18		स्थानीय संघ स्तर	रा.बा.उ.मा. विद्यालय बिछीवाडा	श्री मवसी राम फलेजा	104
19	प्रतापगढ़	जिला स्तर	रा.उ.मा. विद्यालय झासडी	श्री नरेन्द्र सिंह सिसोदिया	122
20		स्थानीय संघ स्तर	पुराना उ.प्रा. विद्यालय धरियावद	श्री प्रेम पाराशर	115
21		स्थानीय संघ स्तर	रा.बा.उ.मा. विद्यालय अरनोद	श्री रमेशचन्द्र मीणा	95
22		ग्रुप स्तर	रा.उ.मा. विद्यालय असावता	श्री प्रेम पाराशर	108
23		ग्रुप स्तर	थड़ा		110
24	राजसमंद	जिला स्तर	रा.बा.उ.प्रा. विद्यालय कांकरोली	श्रीमती अभिलाषा मिश्रा	202
25		स्थानीय संघ स्तर	रा.उ.मा. विद्यालय आमेट मित्र मंडल परिसर	श्री गिरिराज डाकेत	77
26		स्थानीय संघ स्तर	नाथद्वारा		78
27		ग्रुप स्तर	स्वामी विवेकाननद रा.मॉडल स्कूल रेलमगरा	श्री प्रेम सिंह राणावत	52
उदयपुर : जिला स्तरीय-6, स्थानीय संघ स्तर-15, ग्रुप स्तर-6, कुल-27				**कुल संभागी**	**2774**
कुल शिविर : जिला स्तरीय-36, स्थानीय संघ स्तर-61, ग्रुप स्तर-39, कुल -136				**कुल सम्भागी**	**14162**

हमारे महापुरुष

सुभद्रा कुमारी चौहान

भारतीय महिला साहित्यकार

सुभद्रा कुमारी चौहान हिन्दी की सुप्रसिद्ध कवयित्री और लेखिका थीं। उनके दो कविता संग्रह तथा तीन कथा संग्रह प्रकाशित हुए पर उनकी प्रसिद्धि झाँसी की रानी कविता के कारण है। ये राष्ट्रीय चेतना की एक सजग कवयित्री रही हैं, किन्तु इन्होंने स्वाधीनता संग्राम में अनेक बार जेल यातनाएँ सहने के पश्चात अपनी अनुभूतियों को कहानी में भी व्यक्त किया। वातावरण चित्रण–प्रधान शैली की भाषा सरल तथा काव्यात्मक है, इस कारण इनकी रचना की सादगी हृदयग्राही है।

जीवन परिचय

उनका जन्म 16 अगस्त 1904 को नागपंचमी के दिन इलाहाबाद के निकट निहालपुर नामक गांव में रामनाथसिंह के जमींदार परिवार में हुआ था। बाल्यकाल से ही वे कविताएँ रचने लगी थीं। उनकी रचनाएँ राष्ट्रीयता की भावना से परिपूर्ण रहीं हैं। सुभद्रा कुमारी चौहान, चार बहनें और दो भाई थे। उनके पिता ठाकुर रामनाथ सिंह शिक्षा के प्रेमी थे और उन्हीं की देख–रेख में उनकी प्रारम्भिक शिक्षा भी हुई। सुभद्रा और महादेवी वर्मा दोनों बचपन की सहेलियाँ थीं। 1919 में खंडवा के ठाकुर लक्ष्मण सिंह के साथ विवाह के बाद वे जबलपुर आ गई थीं। 1921 में गांधी जी के असहयोग आंदोलन में भाग लेने वाली वह प्रथम महिला थीं। वे दो बार जेल भी गई थीं। सुभद्रा कुमारी चौहान की जीवनी, इनकी पुत्री, सुधा चौहान ने 'मिला तेज से तेज' नामक पुस्तक में लिखी है। इसे हंस प्रकाशन, इलाहाबाद ने प्रकाशित किया है। वे एक रचनाकार होने के साथ–साथ स्वाधीनता संग्राम की सेनानी भी थीं। डॉव मंगला अनुजा की पुस्तक सुभद्रा कुमारी चौहान उनके साहित्यिक व स्वाधीनता संघर्ष के जीवन पर प्रकाश डालती है। साथ ही स्वाधीनता आंदोलन में उनके कविता के जरिए नेतृत्व को भी रेखांकित करती है। 15 फरवरी 1948 को एक कार दुर्घटना में उनका आकस्मिक निधन हो गया था।

सुभद्रा कुमारी चौहान के सम्मान में जारी डाक-टिकट

सिंहासन हिल उठे राजवंशों ने भृकुटी तानी थी,
बूढ़े भारत में आई फिर से नयी जवानी थी,
गुमी हुई आज़ादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी।
चमक उठी सन सत्तावन में, वह तलवार पुरानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

कानपूर के नाना की, मुँहबोली बहन छबीली थी,
लक्ष्मीबाई नाम, पिता की वह संतान अकेली थी,
नाना के सँग पढ़ती थी वह, नाना के सँग खेली थी,
बरछी ढाल, कृपाण, कटारी उसकी यही सहेली थी।
वीर शिवाजी की गाथायें उसकी याद ज़बानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

–सुभद्रा कुमारी चौहान

कथा साहित्य

बिखरे मोती उनका पहला कहानी संग्रह है। इसमें भग्नावशेष, होली, पापीपेट, मंझलीरानी, परिवर्तन, दृष्टिकोण, कदम के फूल, किस्मत, मछुये की बेटी, एकादशी, आहुति, थाती, अमराई, अनुरोध व ग्रामीणा कुल 15 कहानियां हैं। इन कहानियों की भाषा सरल बोलचाल की भाषा है। अधिकांश कहानियां नारी विमर्श पर केंद्रित हैं। उन्मादिनी शीर्षक से उनका दूसरा कथा संग्रह 1934 में छपा। इस में उन्मादिनी, असमंजस, अभियुक्त, सोने की कंठी, नारी हृदय, पवित्र ईर्ष्या, अंगूठी की खोज, चढ़ा दिमाग व वेश्या की लड़की कुल 9 कहानियां हैं। इन सब कहानियों का मुख्य स्वर पारिवारिक सामाजिक परिदृश्य ही है। सीधे साधे चित्र सुभद्रा कुमारी चौहान का तीसरा व अंतिम कथा संग्रह है। इसमें कुल 14 कहानियां हैं। रूपा, कैलाशी नानी, बिआल्हा, कल्याणी, दो साथी, प्रोफेसर मित्रा, दुराचारी व मंगला 8 कहानियों की कथावस्तु नारी प्रधान पारिवारिक सामाजिक समस्यायें हैं। हींगवाला, राही, तांगे वाला एवं गुलाबसिंह कहानियां राष्ट्रीय विषयों पर आधारित हैं। सुभद्रा कुमारी चौहान ने कुल 46 कहानियां लिखी और अपनी व्यापक कथा दृष्टि से वे एक अति लोकप्रिय कथाकार के रूप में हिन्दी साहित्य जगत में सुप्रतिष्ठित हैं।

सम्मान पुरस्कार

भारतीय तटरक्षक सेना ने 28 अप्रैल 2006 को सुभद्रा कुमारी चौहान की राष्ट्रप्रेम की भावना को सम्मानित करने के लिए नए नियुक्त एक तटरक्षक जहाज़ को सुभद्रा कुमारी चौहान का नाम दिया है। भारतीय डाकतार विभाग ने 6 अगस्त 1976 को सुभद्रा कुमारी चौहान के सम्मान में 25 पैसे का एक डाक–टिकट जारी किया।

पहला सुख निरोगी काया

दैनिक भीलवाड़ा लीडर से साभार

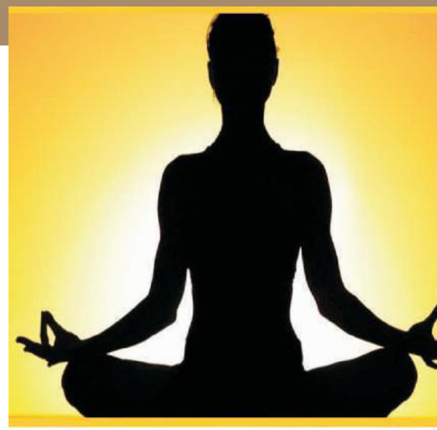

जीवन का पहला सुख भारतीय संस्कृति के अनुसार ही नहीं बल्कि जीवन की व्यावहारिकता के नजरिये से देखें तो निरोगी काया अर्थात् स्वस्थ शरीर को ही माना जाता है। जिस तरह से वाहन को चलाने के लिए पेट्रोल–डीजल या गैसोलिन आवश्यक होता है, ठीक उसी तरह शरीर को गतिशील रखने के लिए भोजन आवश्यक होता है। भोजन न केवल तन की भूख को संतुष्ट करता है बल्कि हमारी विभिन्न शारीरिक गतिविधियों के लिए पौष्टिक तत्व भी सुलभ कराता है और सबसे बड़ी बात यह कि हमें स्वस्थ रखता है। अवशोषण करने, हजम करने और अवशोषण करने के बाद शरीर इसे विभिन्न कार्यों के लिए उपयोग में लाता है।

क्या है पोषण :

वस्तुतः पोषण भोजन और स्वास्थ्य से उसके संबंध का विज्ञान है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्वास्थ्य की संकल्पना को इस प्रकार परिभाषित किया है कि न सिर्फ बीमारी या अशक्तता का अभाव बल्कि सम्पूर्ण भौतिक, सामाजिक और मानसिक रूप से अच्छे पोषण के बिना स्वास्थ्य बेहतर नहीं हो सकता। पोषण एक ऐसा विज्ञान है जो प्रकृति एवं भोजन में पौष्टिक तत्वों के वितरण, उनके उपापचयी प्रभाव और अपर्याप्त खाना खाने के परिणामों से जुड़ा हुआ है।

रासायनिक यौगिक :

भोजन में जो पौष्टिक तत्व समाहित होते हैं, उन्हें विज्ञान की भाषा में हम रासायनिक यौगिक का नाम देते हैं, जो भोजन में अवशोषित होकर स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। कुछ ऐसे आवश्यक पौष्टिक तत्व होते हैं, जिन्हें हमारा शरीर संशलिष्ट नहीं कर सकता। उनकी आपूर्ति आहार के जरिये ही की जानी चाहिये। आश्यक पौष्टिक तत्वों में विटामिन, खनिज पदार्थ, एमीनो अम्ल, वसीय अम्ल और ऊर्जा के स्त्रोत के रूप में कुछ कार्बोहाइड्रेट्स भी शामिल होते हैं। अनावश्यक पौष्टिक तत्व वे होते हैं जो शरीर अन्य यौगिक से संशलिष्ट कर सकता है तथा वे आहार से भी व्युत्पन्न किये जा सकते है।

विभाजन पौष्टिक तत्वों का :

पौष्टिक तत्व आमतौर पर वृहत् पौष्टिक तत्व और सूक्ष्म पौष्टिक तत्वों के रूप में विभाजित किये जा सकते हैं। वृहत पौष्टिक तत्व आहार और ऊर्जा की आपूर्ति संगठित करने के साथ–साथ शरीर के विकास और उसके विभिन्न क्रियाकलापों के लिए जरूरी पौष्टिक तत्व बताते हैं। कार्बोहाइड्रेट्स, वसा, प्रोटीन, सूक्ष्म खनिज तत्व और पानी वृहत् पौष्टिक तत्व है। सूक्ष्म खनिज तत्वों में विटामिन और आवश्यक सूक्ष्म खनिज तत्व होते हैं। पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक भोजन करने से पौषणिक स्थिति बढ़ती है और उसके फलस्वरूप मनुष्य की सेहत अच्छी रहती है। पौष्टिक और पर्याप्त भोजन वह होता है जो शरीर की जरूरतों के अनुसार सभी पौष्टिक तत्व सुलभ कराता है। संतुलित आहार के जरिये अच्छा पोषण मिलता है जिससे आवश्यक पौष्टिक तत्व सही व संतुलित रूप में शरीर को मिलते हैं। उच्च स्तर के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के जिए ऐसा होना बहुत जरूरी है।

महत्व शाकाहार का :

शाकाहारी आहार अधिक पौष्टिक होते हैं। इनमें विटामिन, थाईमिन, फॉलिक अम्ल, राइबोफ्लेविन तथा अनेक खनिज पदार्थ विशेष रूप से आयरन, कैल्शियम, सोडियम, पोटेशियम और आयोडीन का मिश्रण रहता है। शाकाहारी उत्पाद रक्त में कोलेस्टेरॉल के स्तर को सामान्य सीमा में रखता है और हृदय धमनी की बीमारियों से बचाने में मदद कर सकता है। जिगर हमारे शरीर में कोलेस्टेरॉल के संश्लेषण का प्रमुख स्थान है। इसमें संशलिष्ट कोलेस्टेरॉल का कुछ अंश पित्त अम्लों और पित्त लवणों में मिल जाता है। भोजन को पचाने और उसके अवशोषण में मदद करने के लिए आँत में उपस्थित पित्त भोजन को पचाने में मदद करता है। भोजन के पचने के बाद वह जिगर में जाता है, वहाँ उसे फिर से अवशोषित किया जाता है। आहारीय रेशे इस चक्र को बाधित करते हैं ताकि पित्त लवण को फिर से आँत में अवशोषित होने से बचाया जा सके इसलिए ये बिना पचे भोजन के साथ मलोत्सर्जित हो जाते हैं। रेशे कोलेस्टेरॉल के उत्सर्जन को बढ़ाते हैं और जिगर में कोलेस्टेरॉल की उपलब्धता भी कम करते हैं। हाल ही में यह शोध भी सामने आया है कि साबुत अनाज, दलहन छिलके सहित, अनेक फल और सब्जियाँ आहारीय रेशे का समृ (स्त्रोत) होते हैं जो कोलेस्टेरॉल संश्लेषण को बाधित करते हैं। ये कार्डियो प्रोटेक्टिव एजेंट भी मूलभूत तत्वों के कारण कोशिकाओं की क्षति को रोकते हैं और इसलिए कोशिका का जीवन बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

कितना महत्वपूर्ण है शाकाहारः

शाकाहार मधुमेह के उपचार और नियंत्रण दोनों में मदद करता है। आहारीय रेशे पित्त से ग्लूकोज अवशोषण की दर को नियंत्रित करते हैं और इस प्रकार भोजन के बाद रक्त ग्लूकोज में अत्याधिक बढ़ोतरी नहीं होने देते । भोजन करने के दौरान रक्त ग्लूकोज में तेजी से कमी को भी रोका जा सकता है क्योंकि रेशे गैस को जल्दी नहीं निकलने देते। क्रोमियम और कुछ विशिष्ट विटामिन संशोधन इंसुलिन क्षमता से संबंधित भी पाये गये हैं। इस प्रकार शाकाहार ग्लूकोज सहनशीलता बढ़ाने और विशिष्ट रोगियों में औषधियों–इंसुलिन की जरूरत को कम करने में मदद करते हैं।

पर्यटन स्थल

200 सौ वर्षों से वीरान : कुलधारा

'कुलधारा' राजस्थान का एक ऐतिहासिक ग्राम है, जो लगभग 200 सौ वर्षों से वीरान पड़ा है। जहाँ पर्यटकों को सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच ही जाने की अनुमति है। कुलधारा एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक ग्राम है। 200 वर्ष पुराने मिट्टी के घरों को यहाँ देखा जा सकता है। इतिहास के अनुसार, इस गाँव में कई वर्षों से पालीवाल ब्राह्मण बसे थे। यहाँ के क्रूर शासकों द्वारा उन्हें इस गाँव को छोड़ने पर मजबूर किया गया। इसलिए लोगों का मानना है कि इस गाँव को पालीवाल ब्राह्मणों द्वारा शाप दिया गया था।

इतिहास

जैसलमेर से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर कुलधारा गाँव है। माना जाता है कि यह गाँव शापित है। भानगढ़ के किले की तरह यह गाँव भी अचानक ही एक रात में विरान हो गया। उसके बाद से इस गाँव में कोई भी बस नहीं पाया। इस गाँव के विराने में भी भानगढ़ के किले की तरह एक खूबसूरत लड़की की दास्तान छुपी हुई मानी जाती है। माना जाता है कि सन् 1825 के आस–पास कुलधारा पालीवाल ब्राह्मणों का गाँव हुआ करता था। पालीवाल ब्राह्मणों के पूर्वजों का संबंध भगवान श्रीकृष्ण की पत्नी रुक्मणी से जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि पालीवाल ब्राह्मण इनके पुरोहित हुआ करते थे। लेकिन जबकि यह घटना है, उन दिनों पालीवाल किसान हुआ करते थे। यह कृषि के अलावा भवन निर्माण कला में निपुण थे। राज्य के दूसरे गाँवों से यह गाँव खुशहाल और संपन्न हुआ करता था।

किंवदंती

कहा जाता है कि कुलधारा गाँव के मुखिया के 18 वर्ष की बहुत ही सुन्दर कन्या थी। एक दिन गाँव के दौरे के दौरान रियासत के मंत्री सलीम सिंह की नजर उस पर पड़ी। उसने मुखिया से मिलकर उससे विवाह करने की इच्छा जाहिर की। परन्तु मुखिया ने इसे ठुकरा दिया। इस पर सलीम सिंह ने गाँव पर भारी टैक्स लगाने और गाँव बरबाद करने की चेतावनी दी। इस घटना से क्रोधित कुलधारा तथा आसपास के 83 गाँवों के निवासियों ने लड़की का सम्मान बचाने के लिए इस जगह को हमेशा के लिए छोड़ने का निश्चय किया। उन्होंने उसी रात को अपने पूरे घर–परिवार और सामान सहित गाँव छोड़ दिया और कहीं चले गए। उन्हें जाते हुए न तो किसी ने देखा और न ही किसी को पता चला कि वे सब कहाँ गए। यह भी कहा जाता है कि उन्होंने जाते समय गाँव को श्राप दिया कि उनके जाने के बाद कुलधारा में कोई नहीं बस सकेगा। अगर किसी ने ऐसा दुस्साहस किया तो उसकी मृत्यु हो जाएगी। तब से यह गाँव आज तक इसी तरह सूनसान और वीरान पड़ा हुआ है। हालांकि किसी जमाने में शानदार हवेलियों के लिए मशहूर कुलधारा में अब सिर्फ खंडहर ही बचे हैं, लेकिन यहाँ जाकर रहने की किसी को इजाजत नहीं है।

वास्तुकला

लगभग 200 वर्ष पहले कुलधारा गाँव की नींव रखी गयी थी और गाँव के निर्माण के वक्त वास्तुकला के चरम का इस्तेमाल किया गया था। कहते हैं कि इस गाँव के घरों में दरवाजे या किसी भी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। गाँव को इस प्रकार बनाया गया था कि गाँव का मुख्य प्रवेश द्वार और गाँव के घरों के बीच बहुत लंबा फासला हुआ करता था। लेकिन गाँव के निर्माण के वक्त ऐसी ध्वनि प्रणाली का इस्तेमाल किया गया था कि गाँव के मुख्य प्रवेश द्वार से ही कदमों की आवाज गाँव में घरों तक पहुंच जाती थी। इसलिए यहाँ के लोगों में कभी भी चोरी और डकैती का खतरा नहीं रहता था। अगर इस गाँव के आसपास रह रहे लोगों की मानें तो उस समय कुलधारा के ये घर झरोखों और मोखरों के जरिए आपस में जुड़े थे और घरों के भीतर पानी के कुंडों और सीढ़ियों का बड़ी ही कुशलता के साथ निर्माण किया गया था। यहाँ के स्थानीय निवासियों के अनुसार इस गाँव के घर ऐसे बने थे कि बहने वाली हवाएं सीधे घर के भीतर से होकर गुजरती थीं और रेगिस्तान में होने के बावजूद ये घर बेहद ठंडे होते थे।

वीरान गाँव

कुलधारा गाँव को वीरान हुए काफी समय व्यतीत हो चुका है, किंतु फिर भी आज तक ये गाँव भुतहा और वीरान है। आज भी जब यहाँ कोई जाता है तो वह एक अजीब से डर और घबराहट का सामना करता है। यहाँ आने वालों के मुताबिक जैसे–जैसे आप इस गाँव के खंडहर में चलते जाएंगे, आपको एक अजीब–सी ठंड और बेचैनी का एहसास होगा।

वर्तमान में इस गाँव को पर्यटन के लिहाज से संवारा जा रहा है। यहाँ के वास्तु और शिल्प को देखने देश–विदेश से पर्यटकों का यहाँ आना लगा रहता है।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'वायुयान परिचालन' एवं 'वन विज्ञ' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

वायुयान परिचालन
AVITOR

युवा पीढ़ी में वायुयान परिचायन से संबंधी जानकारी की जिज्ञासा रहती है। वह इसके बारे में बहुत कुछ जानने के लिए लालायित रहता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए वायुयान परिचान दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसका पाठ्यक्रम निम्नानुसार है –

एविएटर (वायुयान परिचालन) : (यह बैज केवल वायु स्काउटों के लिए ही है ।

1. (i) एक वायुयान के निकट होने पर अथवा हवाई अड्डे के पास होने पर सुरक्षा के सामान्य नियमों का पालन करना तथा अपनाई जाने वाली सुरक्षा–पूर्व सावधानियों की जानकारी हो।

   (ii) रात्रि व दिन, दोनों समय, वायुयान को उतरने के लिए 'हवा की दिशा' का संकेत दे और वायुयान के चक्कर लगाने में तथा उसे रोकने में सहयोग करें।

   (iii) अवरोधकों का प्रयोग करें और उन्हें पहले से ही तैयार रखे। वायुयान के रुकते और चलते समय लोगों को उससे दूर रहने के महत्व को समझाए और टूटे हुए जहाज की मशीन या उसके कल–पुर्जों के साथ छेड़छाड़ न करने की आवश्यकता से लोगों को अवगत कराना जब तक कि कोई पुलिस या विभागीय अधिकारी वहाँ न पहुँच जाए।

   (iv) वायुयान को उतरने के लिए उपयुक्त भूमि के आवश्यक अवयवों को दर्शाए और समीप में जहाज उतरने के लिए सम्भव तीन भुभागों के नाम बताए, साथ ही ट्रूप मुख्यालय से 80 कि.मी. के अन्दर स्थित प्रमुख हवाई अड्डों के कम्पास–दिशा की जानकारी रखें।

2. उड़ान के सिद्धान्त तथा हवाई अड्डे के सिद्धान्त की जानकारी हो।

3. स्वीकृत सामग्री से वायुयान की अनुकृति बनाए जो एक न्यूनतम उड़ान भर सके (तीसरी प्रकार की विधि)

ग्लाइडर :

(1) हाथ से संचालित ग्लाइडर को 25 सैकेण्ड तक संचालित करें।

(2) अधिकतम 60 मीटर रस्सी से 45 सैकेण्ड तक रस्से द्वारा खींचे जाने वाले ग्लाइडर को संचालित करें।

वायुयान :

(1) खिंचन शक्ति वाला वायुयान 30 सैकेण्ड चलाना।

(2) इंजन चालित नियंत्रण रस्सी सहित (अधिकतम 15 सैकेण्ड तक मोटर घूमना) 45 सैकेण्ड तक चलाना।

अपनी अनुकृति को बनाकर इसे सुरक्षित उड़ाने, लगभग दो मीटर तक की ऊँचाई की तीन उछाल उड़ान, सुरक्षित उड़ान भरने व उतरने का प्रदर्शन करें।

वन विज्ञ
BACKWOODSMAN

बच्चों को विभिन्न व विकट परिस्थितियों में रहना व जीवन यापन के प्रशिक्षण की आवश्यकता रहती है, इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए वन विज्ञ दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। पाठ्यक्रम निम्नानुसार है –

बैक वुड्स मैन (वन विज्ञ) : –

(1) स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री से दो व्यक्तियों के लिए एक सन्तोषजनक शैल्टर और इसमें कम से कम एक रात अकेला या एक दूसरे स्काउट के साथ सोए जो कि द्वितीय सोपान न हो।

(2) बिना बर्तनों के रात्रि के लिए अपना भोजन बना सके। (दल के शिविर इस परीक्षा के लिए मान्य नहीं है)।

(3) बिना नक्शे या बिना सड़कों की मदद लिए अथवा बिना किसी पूछताछ के अकेला ही किसी अपरिचित क्षेत्र में निश्चित स्थान तक जो शुरू में दिखाई न दे, अपना रास्ता खोजने में अपनी प्रवीणता का परिचय दे।

   (I) कम्पास के प्रयोग से दिन में कम से कम 5 कि.मी. की दूरी।

   (II) रात में तारों के प्रयोग से 2 कि. मी. तक की दूरी।

(4) प्राइमस स्टोव का प्रयोग करे और दोपहर का अपना भोजन तैयार करें।

(5) पायनियरिंग में तृतीय सोपान तक के स्तर की योग्यता प्राप्त करें।

(6) प्राथमिक सहायता बॉक्स का प्रयोग करना जाने और असुरक्षित पीने के पानी से होने वाले नुकसान के बारे में जाने और उसे शुद्ध करने की विधि जाने।

(7) अपने क्षेत्र के दो जहरीले साँपों के बारे में जानकारी रखे तथा सर्प–दंश के समय क्या किया जाए, जानें।

(8) पीने के पानी को वाष्पीकरण विधि एकत्रित करने के लिए भमका–भट्ठी बनाए और गन्दे पानी को पीने योग्य बनाने के लिए किसी विधि को प्रदर्शित करें।

गतिविधि पञ्चांग

राज्य पञ्चांग

PROPOSED

नाम शिविर/गतिविधि	स्थान	तिथियां
स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	मण्डल स्तर	02 से 08.08.2024
राज्य स्तरीय सचिव संगोष्ठी	बनीपार्क, जयपुर	05.08.2024
राज्य स्तरीय प्रभारी कमिश्नर संगोष्ठी	बनीपार्क, जयपुर	06.08.2024
स्वतन्त्रता दिवस	सभी स्तरों पर	15.08.2024
सद्भावना दिवस (राज्य स्तरीय साइकिल हाईक)	स्थानीय संघ/जिला/मण्डल स्तर	16 से 20.08.2024 तक
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न.1	21 से 25.08.2024 तक
हिमालय वुड बैज वर्कशॉप	मण्डल स्तर	21 से 22.08.2024
रीजनल लेवल एडवोकेशी वर्कशाप ऑन SDGS	भरतपुर/सवाईमाधोपुर	26 से 30.08.2024 तक
राज्य परिषद् का वार्षिक अधिवेशन	उदयपुर	29.08.2024
ऑर्गेनाइजिंग कमिश्नर सभा	उदयपुर	30.08.2024
निपुण/राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर प्रशिक्षण शिविर	मण्डल/जिला स्तर	30.08.2024 तक
रोवर/रेंजर विकास समिति एवं यूथ कमेटी सभा	मण्डल स्तर पर	30.08.2024 तक
चतुर्थ चरण/हीरक पंख/गोल्डन ऐरो प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.08.2024 तक
द्वितीय/तृतीय सोपान/टोली नायक प्रशिक्षण शिविर	स्था.संघ स्तर	30.08.2024 तक
राज्य पुरस्कार पंजीकरण ऑनलाइन फॉर्म भिजवाना	राज्य मुख्यालय	30.08.2024 तक
कम्यूनिटी डवलपमेन्ट सेमिनार	मण्डल स्तर पर	30.08.2024 तक
कब/बुलबुल भ्रमण	स्थानीय संघ स्तर पर	30.08.2024 तक
महाविद्यालय प्राचार्य, रोवर/रेंजर लीडर संगोष्ठी	मण्डल स्तर	31.08.2024

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
09th Africa Scout Jamboree	02 - 11 August 2024	Bungere, Gitega
Red Rose International Jamboree	03 - 10 August, 2024	United Kingdom
13th Nippon Agoonoree – National Camp for the Scouts with Special Needs	08 - 12 August, 2024	Fukushima, Japan
43rd World Scout Conference	17 - 23 August, 2024	Egypt
26th Australian Jamboree (AJ2025)	06 - 15 January 2025	Maryborough in Queensland
16th World Scout Moot 2025	25 July - 03 August, 2025	Lisboa, Portugal

National Headquarters website : www.bsgindia.org

चित्रमय झलकियाँ

एडीएम बांसवाड़ा के साथ बांसवाड़ा में प्रस्तावित जनजाति महोत्सव के आयोजन के संबंध में चर्चा करते राज्य संगठन आयुक्त एवं अन्य

राज्य संगठन आयुक्त पूरणसिंह शेखावत बांसवाड़ा अति.जिला कलक्टर अभिषेक गोयल का स्कार्फ पहनाकर अभिनन्दन करते हुए

अलवर में पौधारोपण करती हुई गाइड्स एवं स्थानीय पदाधिकारी

'पॉलीथिन हटाओ कपड़े का थैला ले जाओ' के तहत कपड़े के थैले वितरण से पूर्व रा.बा.उ.मा.विद्यालय टपूकड़ा, स्थानीय संघ भिवाड़ी की गाइड्स

जिला झुन्झुनू एवं स्थानीय संघ कोटपूतली में स्काउट गाइड एवं स्काउटर गाइडर पौधारोपण करते हुए

जिला नागौर के स्काउट गाइड पौधारोपण करते हुए

मण्डल मुख्यालय, जयपुर पर आयोजित डीएलएड गाइड शिविर में सहभागिता करती गाइडर्स का विहंगम दृश्य

राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य जोधपुर विजिट् के दौरान पौधारोपण करते हुए (ऊपर) तथा
टोंक विजिट के दौरान स्थानीय स्काउटर गाइडर राज्य मुख्यायुक्त महोदय को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए (नीचे)

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141–2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर–302004 फोन : 0141–2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन – प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835
प्रेषक :–
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर–302015
फोन : 0141–2706830, 2941098
ई–मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on : facebook.com/scoutguidejyoti https://rajscoutguide.org/